हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 255, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 18 मार्च, 2024 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

'कागज का इस्तेमाल कम करें', चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों को जारी किए अहम दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को आम चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने चुनाव को पर्यावरण के लिहाज से अनुकूल रखने के लिए भी कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा निदेर्शों के तहत आयोग ने चुनाव के दौरान कम कागज का इस्तेमाल करने और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की अपील की है। चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों और चुनाव कराने वाली मशीनरी को गाइडलाइंस जारी करते हुए अपील की है कि चुनाव के दौरान पर्यावरण के अनुकूल गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाए और साथ ही ज्यादा गाड़ियों का इस्तेमाल करने के बजाय लोगों को कार पूल करने की सलाह दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि 'हम चुनाव को पर्यावरण के लिहाज से अनुकूल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन्हीं कोशिशों के तहत एक बार ही इस्तेमाल के बाद फेंकी जाने वाली प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने, कागज का कम इस्तेमाल करने और पर्यावरण हितैषी प्रक्रियाओं का पालन करने की अपील की गई है। चुनाव कराने वाली मशीनरी और राजनीतिक पार्टियों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।' चुनाव आयोग ने सलाह दी है कि राजनीतिक पार्टियां और पोल मशीनरी स्थानीय कचरा प्रबंधन यूनिट्स की मदद से कचरे को रिसाइकिल करने की कोशिश करें। साथ ही मतदाता सूची और चुनावी सामग्री में कागज का इस्तेमाल कम करें। कागजों पर दोनों तरफ छपवाएं, जिससे कागज की बचत हो सके। आयोग ने राजनीतिक पार्टियों से अपील की कि वह चुनाव प्रचार के दौरान गाड़ियों का इस्तेमाल सीमित करें, जिससे कार्बन उत्सर्जन को कम रखा जा सके। इसके लिए सीएनजी और इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल हो। साल 2023 में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान भी चुनाव आयोग ने चुनाव प्रचार के दौरान विघटित न होने वाले तत्वों का कम से कम इस्तेमाल करने और प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की अपील की थी। दरअसल भारत में विशाल पैमाने पर आम चुनाव कराए जाते हैं। इस बार 81 दिनों तक पूरी चुनावी प्रक्रिया चलेगी। इस दौरान बड़ी मात्रा में प्रचार सामग्री का वितरण होगा। चुनाव के बाद यह पूरी सामग्री कचरा बन जाएगी। जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। यही वजह है कि आयोग ने पहले ही इस संबंध में दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं ताकि राजनीतिक पार्टियां इसे लेकर जागरुक हो सकें। चुनाव आयोग ने शनिवार को देश की 543 लोकसभा सीटों पर चुनाव के लिए आम चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया। शेड्यूल के अनुसार, लोकसभा चुनाव सात चरणों में होगा और 19 अप्रैल 2024 को पहले चरण के चुनाव कराए जाएंगे। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

ग्रेस को बड़ा झटका, विधायक समेत दो नेताओं ने दिया इस्तीफा, तीन दिन में आठ ने छोड़ी पार्टी

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस में इस्तीफों का दौर खत्म ही नहीं हो रहा है। रविवार को कांग्रेस को दो बड़े झटके लगे। टिहरी से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके विरष्ठ नेता धन सिंह नेगी और बदरीनाथ विधायक राजेंद्र सिंह भंडारी ने पार्टी छोड़ दी। वहीं, तीन दिन में आठ बड़े नेताओं के इस्तीफे से पार्टी में हड़कंप मचा हुआ है। उधर, चर्चा है कि ये नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि शुक्रवार को ही गंगोत्री के पूर्व विधायक विजय पाल सजवाण और पुरोला के पूर्व विधायक मालचंद ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। फिर शनिवार को पार्टी का चर्चित चेहरा माने जाने वाली नेता कांगेस नेता हरक सिंह रावत की पुत्रवधू अनुकृति गुसाईं ने इस्तीफा दे दिया। पौड़ी से कांग्रेस के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केसर सिंह नेगी ने पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। तो वहीं, विकासखंड कोट के पूर्व प्रमुख व कांग्रेस के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नवल किशोर ने भी कांग्रेस का हाथ छोड़ दिया। इसके अलावा पौड़ी ब्लॉक प्रमुख दीपक कुकसाल ने भी कांग्रेस छोड़ दी।

'सरकार के इशारों पर काम करता है इलेक्शन कमीशन', चुनावी बॉन्ड और चुनाव आयुक्तों की नियुक्त को लेकर सिब्बल ने साधा निशाना

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में सात चरण का लोकसभा चुनाव इस बात का सबूत है कि चुनाव आयोग सरकार के इशारों पर काम करता है। सिब्बल ने हाल ही में दो चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की नियुक्ति पर भी सवाल उठाया और कहा कि उन्हें इस तथ्य के बावजूद नियुक्त किया गया कि संविधान पीठ के फैसले में कहा गया है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को भी इसका सदस्य होना चाहिए। उन्होंने एक समाचार एजेंसी से कहा, "जहां तक देश में लोकसभा चुनाव के सात चरणों का सवाल है, इसकी उम्मीद थी। वास्तव में जिस तरह से उन्होंने इन दोनों चुनाव आयुक्तों को इस तथ्य के बावजूद नियुक्त किया कि संविधान पीठ के फैसले में कहा गया है कि सीजेआई को भी समिति का सदस्य होना चाहिए।" जिस तरह से उन्होंने सुप्रीम में चुनौती लंबित होने के बावजूद संविधान पीठ के फैसले को खारिज कर दिया है सिब्बल ने आरोप लगाते हुए कहा कि अदालत और जिस तरह से उन्होंने नियुक्ति को आगे बढ़ाया, उससे पता चलता है कि उनका इरादा वहां अपने लोगों को रखने का था। सिब्बल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सात चरणों का चुनाव इस बात का सबूत है कि चुनाव आयोग सरकार के इशारों पर काम करता है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होंगे और उसके बाद 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को चरण होंगे। तीन राज्यों- बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में सभी सात चरणों में मतदान होगा। तृणमूल कांग्रेस ने चुनिंदा पार्टियों को अनुचित लाभ पर चिंता का हवाला देते हुए, सात चरणों में चुनाव कराने के चुनाव आयोग के फैसले पर निराशा व्यक्त की थी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय के समन और बीआरएस नेता के कविता की गिरफ्तारी के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा कि इस सरकार का पूरा इरादा यह सुनिश्चित करना है कि सभी विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि वे प्रचार नहीं कर सकें। उन्होंने आरोप लगाया, "पूरी संवैधानिक मशीनरी को भंग कर दिया गया है और हमारे पास एक ऐसी सरकार की मशीनरी है, जिसने यह सुनिश्चित करने के लिए संवैधानिक प्रावधानों की अवहेलना की है कि वे सत्ता में बने रहें।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रवर्तन निदेशालय की प्रशंसा पर सिब्बल ने कहा कि उन्हें भ्रष्टाचार के प्रति अपनी अटूट निष्ठा के लिए ईडी की प्रशंसा करनी चाहिए। सिब्बल ने कहा, "मुझे कहना होगा कि इस सरकार के प्रति ईडी की वफादारी अटूट है और वास्तव में इसकी सराहना की जानी चाहिए।" चुनावी बॉन्ड मामले के बारे में बात करते हुए, राज्यसभा सांसद ने कहा कि तथ्य इस देश के लोगों के सामने हैं। उन्होंने कहा, "आप किसी व्यक्ति पर छापा मारते हैं, किसी व्यक्ति के खिलाफ ईडी की कार्यवाही शुरू करते हैं, कुछ महीनों के भीतर वह चुनावी बॉन्ड खरीदता है और उन्हें सत्ता में पार्टी को दे देता है। वे संविधान के विपरीत देश चला रहे हैं, तो आइए देखें कि अदालतें क्या करती हैं।"

पेपर लीक की एक घटना ने बिगाड़ा आयोग का परीक्षा कैलेंडर, टल सकती हैं कई और परीक्षाएं

प्रयागराज। समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 में पेपर लीक की घटना ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) का परीक्षा कैलेंडर बिगाड़ दिया। कैलेंडर में शामिल अब तक पांच परीक्षाएं स्थगित की जा चुकी हैं। इनमें से कोई ऐसी परीक्षा नहीं है, जो लोकसभा चुनाव के कारण प्रभावित हो रही हो। ऐसे में माना जा रहा है कि पेपरों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाने के बाद ही आयोग कोई परीक्षा कराएगा। आयोग ने अप्रैल से दिसंबर तक 17 तिथियां परीक्षाओं के लिए आरक्षित कर रखी हैं। आरओ/ एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में पेपर वायरल होने की घटना के बाद इस परीक्षा को निरस्त किए जाने के बाद आयोग ने सबसे पहले 17 मार्च को प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा स्थगित की। प्रारंभिक परीक्षा स्थगित होने से अब सात जुलाई से प्रस्तावित मुख्य परीक्षा का टलना भी तय हो गया है। वहीं, 22 मार्च को प्रस्तावित स्टाफ नर्स (यूनानी/ आयुर्वेदिक) (पुरुष/ महिला) प्रारंभिक परीक्षा-2023 स्थगित होने के बाद अब 16 जून को प्रस्तावित मुख्य परीक्षा भी आयोग को टालनी पड़ेगी। सात अप्रैल को प्रस्तावित सहायक नगर नियोजक प्रारंभिक परीक्षा-2023 भी स्थगित की गई है। ऐसे में 19 जून को प्रस्तावित मुख्य परीक्षा भी टाल दी जाएगी। आयोग ने अपर निजी सचिव (एपीएस)-2023 की नौ अप्रैल को प्रस्तावित द्वितीय चरण की परीक्षा और 24 अप्रैल को प्रस्तावित स्टाफ नर्स एलोपैथी (पुरुष/महिला) मुख्य परीक्षा-2023 को भी स्थगित कर दिया है। एपीएस के द्वितीय चरण की परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया चल रही है, जबकि स्टाफ नर्स एलोपैथी मुख्य परीक्षा के आवेदन की हार्डकॉपी आयोग में जमा करने की अंतिम तिथि 21 मार्च है। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए इंतजार करना होगा। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता में यूपीपीएससी की पांच भर्तियों फंस गई हैं। आयोग को एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती, राजकीय डिग्री कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती, खंड शिक्षा अधिकारी भर्ती, सम्मिलित राज्य कृषि सेवा भर्ती, सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेरा भर्ती से संबंधित रिक्त पदों का अधियाचन मिल चुका है, लेकिन किसी की परीक्षा तिथि तय नहीं है।

'चुनावों में गड़बड़ी न होती अगर पाकिस्तान में होतीं ईवीएम', जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान का बयान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आम चुनाव के नतीजे आए काफी समय हो चुका है। हालांकि, देश की घरेलू के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठे हैं। खासकर देश के मुख्य विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने तो चुनाव आयोग को ही घेरते हुए कहा कि चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही भ्रष्ट थी। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी इस मुद्दे को उठाया है। जेल में बंद इमरान ने कहा है कि अगर पाकिस्तान में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) होतीं तो चुनाव में ऐसा भ्रष्टाचार न हो पाता। अदियाला जेल में बंद पीटीआई के संस्थापक ने एक पत्रकार से बातचीत के दौरान कहा, "अगर आज ईवीएम होतीं तो एक घंटे के अंदर मतदान में गड़बड़ियों के सारे मुद्दे सुलझा लिए जाते।" इमरान ने कहा कि पाकिस्तान के चुनाव आयोग, कुछ राजनीतिक दलों और 'संस्थान' ने देश में ईवीएम लाने की योजना को बर्बाद कर दिया। रिपोर्टर्स से बातचीत के दौरान इमरान ने कहा कि आम चुनाव में जनता के जनादेश को चुराने वालों पर देशद्रोह के तहत कार्यवाही होनी चाहिए। इमरान ने अमेरिका में आईएमएफ के दफ्तर के बाहर हुए प्रदर्शनों का समर्थन किया। हालांकि, उन्होंने इसमें पाकिस्तानी सेना के विरोध में लगे नारेबाजी से खुद को दूर कर लिया। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर बात करते हुए

इमरान ने कहा कि मुश्किल में पड़ी इकोनॉमी को संभालना मौजूदा सरकार के लिए नामुमकिन है। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि उनकी पार्टी ने देश को आर्थिक संकट में छोड़ा। इमरान खान ने कहा कि 2018 में जब पीएमएल-एन सरकार से गई तब व्यापार घाटा 20 अरब डॉलर पहुंच चुका था और हमारे पास आईएमएफ के पास जाने के अलावा दूसरा कोई चारा नहीं था।

लोकसभा चुनाव में तैनात किए जाएंगे 3.4 लाख केंद्रीय सुरक्षाकर्मी, बंगाल-कश्मीर में होंगे सबसे ज्यादा जवान

नई दिल्ली। लोकसभा और चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में राज्य पुलिस बलों के साथ-साथ 3.4 लाख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों को तैनात किया जाएगा। बंगाल में सीएपीएफ के 92,000 कर्मियों को तैनात किया जा सकता है। आतंकवाद प्रभावित जम्मू और कश्मीर में 63,500 कर्मियों को तैनात किया जाएगा। नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ में 36,000 जवान तैनात किए जाएंगे। एक अधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सीएपीएफ की अधिकतम 3,400 कंपनियों को तैनात करने का फैसला किया है। एक सीएपीएफ कंपनी में लगभग 100 कर्मी शामिल होते हैं। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में विधानसभा चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ ही होंगे। बंगाल में चरणबद्ध तरीके से सीएपीएफ की अधिकतम 920 कंपनियां तैनात की जा सकती है। जम्मू-कश्मीर में 635 कंपनियां, छत्तीसगढ़ में 360 कंपनियां, बिहार में 295 कंपनियां, उत्तर प्रदेश में 252 कंपनियां और आंध्र प्रदेश, झारखंड और पंजाब तीनों राज्यों में 250- 250 कंपनियां तैनात की जाएंगी। वहीं, गुजरात, मणिपुर, राजस्थान और तमिलनाडु में प्रत्येक में 200- 200 कंपनियां, ओडिशा में 175 कंपनियां, असम और तेलंगाना में 160 कंपनियां, महाराष्ट्र में 150, मध्य प्रदेश में 113 कंपनियां , त्रिपुरा में 100 कंपनियां तैनात की जाएंगी। जिन बलों को बंगाल, वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों और जम्मू-कश्मीर में तैनात किया जाएगा, वे पहले ही अपने-अपने गंतव्य पर पहुंच चुके हैं। सीएपीएफ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) शामिल हैं। सभी सीएपीएफ की संयुक्त ताकत लगभग 10 लाख है।

हर लोकसभा क्षेत्र की रिपोर्ट तैयार कर रही है कांग्रेस, प्रभारियों को हर सप्ताह देनी होगी कामकाज की रिपोर्ट

लखनऊ। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की क्षेत्रवार तैयारी तेज कर दी है। हर लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी को क्षेत्र में किए गए कार्यों की साप्ताहिक रिपोर्ट देनी होगी। इसमें बूथवार बनाई गई रणनीति को बताना होगा। यह रिपोर्ट प्रदेश मुख्यालय से लेकर राष्ट्रीय कार्यालय तक भेजी जाएगी। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को 17 सीटें मिली हैं। कांग्रेस ने इन सभी सीटों पर ताकत झोंक रखी है। पार्टी के नए नेताओं के साथ ही पुराने नेताओं को भी सक्रिय किया गया है। बूथवार बैठकों का दौर चल रहा है। पार्टी ने लोकसभा क्षेत्रवार प्रभारी भी नियुक्त किए हैं। सभी लोकसभा क्षेत्र प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र की हर सप्ताह रिपोर्ट तैयार करें। इसमें बूथवार जातीय गणित, गठबंधन प्रत्याशी और दूसरे प्रत्याशियों की वजह से बनते-बिगड़ते समीकरण, बूथ कमेटियों की बैठक में शामिल होने वाले वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति, पार्टी की ओर से दिए गए निर्देश के पालन सहित अन्य जानकारी देनी होगी। यह रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी के साथ ही केंद्रीय टीम को भी भेजा जाएगा। चुनाव संचालन समिति की बैठक में भी लोकसभा क्षेत्रवार

रिपोर्ट की समीक्षा की जाएगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि हर लोकसभा क्षेत्र में पार्टी के नेता सक्रिय हैं। प्रभारियों से लोकसभा क्षेत्र में चलने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी मांगी गई है ताकि वस्तु स्थिति को ध्यान में रखकर आगे की रणनीति तैयार की जा सके।

लोकसभा चुनाव में उतरने से हिचक रहे मंत्री, कांग्रेस के सामने आई उम्मीदवारों के चयन की परेशानी

बंगलूरू। लोकसभा चुनाव में करीब एक महीना बचा है और कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में अभी भी अपने उम्मीदवारों की तलाश में जुटी है। दरअसल, कुछ मंत्रियों और विधायकों के चुनाव लड़ने से हिचकने के कारण कांग्रेस उम्मीदवारों के नाम पर अंतिम मुहर नहीं लगा पा रही है। इसलिए पार्टी जीतने योग्य उम्मीदवारों की तलाश में लग गई है। कांग्रेस को सात सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा किए 10 दिन हो चुके हैं, जबकि शेष 21 सीटों के लिए उम्मीदवारों को चुनने की प्रक्रिया जारी है। कांग्रेस की आठ मार्च को जारी पहली सूची में किसी भी मंत्री और विधायक का नाम नहीं था। पार्टी सूत्रों की माने तो कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कुछ मंत्रियों और विधायकों को चुनाव लड़ने के लिए मनाने का प्रयास कर रहा है। क्योंकि पार्टी को कई क्षेत्रों में जीतने योग्य उम्मीदवारों की पहचान करने में समस्या आ रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री जी परमेश्वर ने हाल में कहा था कि पार्टी में सात से आठ मंत्रियों को मैदान में उतारने पर चर्चा चल रही है। कहा जाता है कि कुछ मंत्री चुनाव लड़ने के बजाय अपने परिवार के सदस्यों की उम्मीदवारी के

लिए जोर दे रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व इस बात को लेकर चिंतित है कि अगर उनके परिजनों को मैदान में उतारा गया तो इससे जनता में क्या संदेश जाएगा। हालांकि मंत्रियों या उनके परिवार के सदस्यों को उतारने पर फैसला अब अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेतृत्व पर छोड़ दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। उनका कहना है, 'राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार को समाप्त हो गई है। रविवार को इंडिया ब्लॉक के नेताओं की जनसभा है और 19 मार्च को हमारी बैठक उम्मीदवारों के नाम तय करने के लिए है। 19 मार्च की रात या 20 मार्च की सुबह हमारे सभी उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी।' सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस चामराजनगर से एच सी महादेवप्पा, कोलार से के एच मुनियप्पा, बेल्लारी से बी नागेंद्र, बेलगाम से सतीश जारकीहोली, बीदर से ईश्वर खांद्रे और बंगलूरू उत्तर से कृष्णा बायरे गौड़ा को चुनाव मैदान में उतारना चाहती है। हालांकि, लगभग मंत्री चुनाव लड़ने से हिचकिचा रहे हैं। कुछ के बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के नाम सुझाए हैं, इस आश्वासन के साथ कि वे अपनी जीत सुनिश्चित करेंगे। बताया जाता है कि गौड़ा ने पार्टी नेतृत्व से कहा है कि वह चुनाव नहीं लड़ना चाहते। वह 2019 में बंगलूरू उत्तर से और 2009 में बंगलूरू दक्षिण से हार गए थे। वहीं, महादेवप्पा अपने बेटे सुनील बोस के लिए चामराजनगर टिकट की मांग कर रहे हैं। परमेश्वर, जो पहले पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष थे, ने हाल ही में कहा था, 'वह (महादेवप्पा) कह रहे हैं कि वह चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं और टिकट उनके बेटे को दिया जाना चाहिए।

शाहजहां शेख के भाई समेत तीन को सीबीआई ने कोर्ट में पेश किया, ईडी पर हमले के हैं आरोपी

कोलकाता। सीबीआई ने टीएमसी नेता शाहजहां शेख के भाई शेख आलमगीर और दो अन्य को आज बशीरहाट की अदालत में पेश किया। सीबीआई ने तीनों को संदेशखाली में ईडी टीम पर हमले के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने शेख आलमगीर के अलावा माफाजुर मोल्ला और सिराजुल मोल्ला को गिरफ्तार किया था। तीनों को आज कोर्ट में पेश किया गया। पकड़े गए आरोपियों में शाहजहां शेख के भाई के अलावा दो लोग शाहजहां शेख के करीबी हैं और सीबीआई को उम्मीद है कि इनसे पूछताछ से मामले में कई अहम जानकारी हाथ लग सकती है। शाहजहां शेख पश्चिम बंगाल के राशन घोटाले में आरोपी है और ईडी की एक टीम बीती 5 जनवरी को संदेशखाली में स्थित शाहजहां शेख के ठिकानों पर छापेमारी करने गई थी। इस दौरान ईडी की टीम पर शाहजहां शेख के समर्थकों ने हमला कर दिया था। इस हमले में ईडी के कई अधिकारी घायल हुए थे। ईडी ने इस मामले में शाहजहां शेख के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उस घटना के बाद से ही शाहजहां शेख फरार था। बीते दिनों संदेशखाली में स्थानीय लोगों ने शाहजहां शेख समेत

कई अन्य टीएमसी नेताओं पर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया था। कई स्थानीय महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर उनका यौन शोषण करने का भी आरोप लगाया था। इस मुद्दे पर बंगाल की राजनीति में काफी हंगामा हुआ और भाजपा ने इस मुद्दे पर टीएमसी सरकार को जमकर कोसा। सरकार पर दबाव बना तो पुलिस ने भी तुरंत ही शाहजहां शेख को खोजकर गिरफ्तार कर लिया।

संपादकीय

सहमति से आगे बढ़ें

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अगुआई वाली उच्च स्तरीय समिति ने सिफारिश की है कि देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ कराने का विचार अच्छा है और इस ओर कदम बढ़ाए जाने चाहिए। समिति के मुताबिक, इसके लिए संविधान में संशोधन करना पड़ेगा लेकिन राज्यों की विधानसभाओं से उसकी पुष्टि कराने की अनिवार्यता नहीं होगी। बहरहाल, यह एक अहम मसला है और ऐसे में देखना महत्वपूर्ण हो जाता है कि समिति की रिपोर्ट इससे जुड़े अलग-अलग पहलुओं पर किस तरह रोशनी डाल रही है। रिपोर्ट में इस बात पर ठीक ही जोर दिया गया है कि अलग-अलग और बार-बार चुनाव होने से संसाधनों पर बेहिसाब बोझ पड़ता है। आम तौर पर एक लोकसभा चुनाव में 70 लाख ऑफिसरों को लगना पड़ता है। स्कूलों को चुनाव बूथ की भूमिका निभानी पड़ती है। अर्धसैनिक बल तैनात करने पड़ते हैं। अन्य चुनावों में भी थोड़े कम पैमाने पर ये प्रक्रियाएं अपनाई जाती हैं। एक साथ चुनाव से इन संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल संभव है। समिति के इस तर्क से सहमति थोड़ी मुश्किल है कि बार-बार चुनाव देश की आर्थिक तरक्की को बाधित करते हैं। आर्थिक विकास एक जटिल प्रक्रिया है। इसे चुनावी प्रक्रिया के सीमित नजरिए से जोड़ना ठीक नहीं है। वैसे भी आंकड़े बताते हैं कि देश में तेज विकास का दौर अस्सी के दशक से शुरू हुआ। जबकि, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ कराने की रीत 1967 तक ही चल पाई थी। जहां तक एक साथ चुनाव कराए जाने से राजनीति की क्वॉलिटी में सुधार का सवाल है तो यह तर्क भी सुसंगत नहीं लगता। उदाहरण के लिए, अगर पहचान की राजनीति की बात करें तो यह मानना मुश्किल है कि एक साथ चुनाव होने से उसमें ऐसे भावनात्मक मुद्दों का जोर कम हो जाएगा। आखिर आरक्षण आंदोलनों पर अलग-अलग राजनीतिक दलों का रुख इससे तय होता नहीं दिखता कि चुनाव कितने करीब या दूर हैं। समिति को जिन 47 राजनीतिक दलों से राय मिली, उनमें 15 दल साथ चुनाव कराए जाने के खिलाफ हैं। यानी करीब-करीब हर तीन में से एक दल इससे सहमत नहीं है। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि एक साथ चुनाव कराए जाने की कीमत राज्य विधानसभाओं को भरनी होगी। समिति के मुताबिक, राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के कार्यकाल से जोड़े जाने की बात है। लोकतंत्र में विरोधियों की संख्या से कम महत्वपूर्ण नहीं होता असहमति का तर्क। इसलिए समिति ने जो प्रक्रिया बताई है, उसके औचित्य को स्वीकार करते हुए भी यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विरोध में उठी आवाजों के तर्क को पूरा सम्मान देते हुए ही आगे बढ़ा जाए।

दरम्यान चुनाव के!

जांच होना चाहिए ।
वितरण जो सामान ।।
दरम्यान चुनाव के ।
हुए मेहरबान ।।
आई बात सामने ।
है रहना तैयार ।।
कहां कहां है गड़बड़ी ?
और किस प्रकार ।।
दे रहे हैं खुल कर ।
सार्वजनिक बयान ।।
लगता कुछ कुछ उनको ।
हुआ शायद ज्ञान ।।
है सबको अधिकार ।
हो सारा स्पष्ट ।।
हो सकती है कैसे ?
किसी को भी कष्ट ।।

–कृष्णेन्द्र राय

लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस बार उत्तर प्रदेश में शून्य पर सिमट सकती है

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जिस कांग्रेस का हमेशा अपर हैंड रहता था, वह अब दूसरों के रहम-ओ-करम पर राजनीति करने को मजबूर हो गई है। प्रदेश में ना उसका वोट बैंक बचा है, ना नेता और संगठन। हाँ, यदि हवा-हवाई बातों से पार्टी को फायदा हो पाता तो जरूर यूपी में कांग्रेस टॉप पर होती, लेकिन ऐसा होता नहीं है। आज का मतदाता अपने नेताओं पर बारीकी से नजर रखता है। इस कसौटी में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप और गांधी परिवार पूरी तरह से नाकामयाब रहा है। कांग्रेस के विधान सभा और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के आंकड़े भी चुनाव-दर-चुनाव उसके जनाधार खिसकने के साक्षी हैं। यह गिरावट 1984 के बाद चार दशक में आई है। 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सभी 85 सीटों (तब उत्तराखंड की भी पांच सीटें शामिल) पर चुनाव लड़ी थी और 83 सीटों पर जीत हासिल की थी। भले ही तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के साथ जनभावनाओं का ज्वार था, जिसके सहारे पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने प्रदर्शन के शिखर को छुआ। यह वह दौर था जब राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का एकछत्र राज था और बीजेपी की एंट्री भर हुई थी, लेकिन उसकी राजनैतिक विचारधारा कांग्रेस से उलट थी। बीजेपी तुष्टिकरण की जगह हिन्दुत्व की बात करती थी। अयोध्या, काशी और मथुरा उसके एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल थे, जिससे कांग्रेस हमेशा किनारा करती रही थी। वहीं क्षेत्रीय दलों के रूप में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जातिवादी राजनीति को आगे बढ़ा रहे थे। प्रदेश की राजनीति में बदले समीकरणों ने जहां दूसरे दलों के लिए नई संभावनाएं जगाईं, वहीं कांग्रेस को अपनों से मायूसी ही मिलती गई। 1984 में 51.03 प्रतिशत वोट हासिल

करने वाली कांग्रेस फिर ऐसे जनाधार को वापस नहीं हासिल कर सकी। आज उसका जनाधार दो प्रतिशत में सिमट गया है।

दरअसल, प्रदेश में सपा व बसपा के उदय के साथ ही कांग्रेस पीछे होती गई और भाजपा की प्रखर हिंदुत्व वाली छवि ने उसकी राह और मुश्किल कर दी। ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम कांग्रेस के परंपरागत वोटर माने जाते थे। सपा के उदय के साथ मुस्लिम कांग्रेस से छिटक कर उसके पाले में चला गया। बसपा ने कांग्रेस के दलित वोट बैंक पर कब्जा कर लिया। कांग्रेस से मोहभंग के बाद ब्राह्मणों ने भाजपा का दामन थाम लिया। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड के अलग होने के बाद की बात की जाए तो कांग्रेस वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में 80 सीटों पर लड़ी थी और 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। पिछले ढाई दशक में यह कांग्रेस का सर्वाधिक उत्साहित करने वाला प्रदर्शन था। इसके पीछे कांग्रेस की मनरेगा व खाद्य सुरक्षा को लेकर नीतियों की बड़ी भूमिका मानी गई थी। कांग्रेस केंद्र में दोबारा सरकार बनाने में सफल हुई थी। इसके बावजूद कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी साख को बचाए रखने में कामयाब नहीं रही। उत्तर प्रदेश में अपना जनाधार बढ़ाने के लिय पार्टी ने कई प्रयोग भी किए। राहुल गांधी को यूपी में पैर पसारने के लिये खुली छूट दी गई, इसके नतीजे उत्साहवर्धक नहीं आये तो प्रियंका वाड्रा को प्रदेश का प्रभारी भी बनाया गया, लेकिन बूथ स्तर पर कमजोर हुई पार्टी के सामने कार्यकताओं में पुराना जोश भरना सपना ही रहा। उधर, कांग्रेसी नेता आपस में टांग खिंचाई करते रहे, जिसकी वजह से पार्टी में अंतरकलह भी बढ़ता गया। 2014 लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश में 2009 का अपना प्रदर्शन दोहराने को तरसती ही रही। नेहरू-गांधी परिवार का उत्तर प्रदेश से गहरा रिश्ता होने के बाद भी पार्टी खोया दमखम नहीं जुटा सकी। पिछले चुनाव में कांग्रेस रायबरेली की एकमात्र सीट पर ही जीत का स्वाद चख सकी थी। पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी तक हार गये। जबकि रायबरेली की सांसद सोनिया गांधी अबकी बार सदन में जाने के लिये राज्यसभा सदस्य बन चुकी हैं। इस बार वह भी चुनाव नहीं लड़ेंगी। ऐसे में कांग्रेस के सामने उत्तर प्रदेश में अपनी खोई जमीन तलाशने के साथ ही परंपरागत सीट अमेठी व रायबरेली में अपनी साख को बचाए रखने की चुनौती से जूझ रही है।

इससे निपटने के लिए पार्टी सपा से गठबंधन के तहत उसके हिस्से आईं 17 सीटों पर पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है। प्रदेश मुख्यालय में वार रूम की स्थापना की गयी है और अमेठी व रायबरेली समेत 17 लोकसभा सीटों के 34 हजार बूथों पर एजेंट जुटाए जा रहे हैं। वार रूम के सदस्य संजय दीक्षित के अनुसार, 17 लोकसभा क्षेत्रों में अब तक 18 हजार बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए जा चुके हैं। शेष को भी जल्द नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा वार रूम के 10 डेस्क हेड भी बनाए गए हैं और सभी को आठ-आठ लोकसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। इस प्रकार सभी 80 लोकसभा सीटों पर बूथ स्तर पर संगठन को खड़ा किया जा रहा है। कुल मिलाकर यूपी से अपने नेताओं को संसद भेजने के लिये कांग्रेस को शून्य से सफर शुरू करना होगा और इसके लिये उसके सिर्फ 17 प्रत्याशी मैदान में होंगे। क्योंकि समाजवादी पार्टी ने गठबंधन धर्म निभाते हुए यूपी में कांग्रेस को 80 में से 17 सीटें देने के लायक ही समझा है।

सुधामूर्ति सादगी और सेवा की प्रतिमूर्ति

अरुण नैथानी

लेखिका, व्यवसायी और समाजसेवी सुधामूर्ति के जीवन के इतने आयाम हैं कि उनके व्यक्तित्व का सीधा विवरण देना मुश्किल हो जाता है। वे गाहे-बगाहे अपनी साफगोई व सुस्पष्ट विचारों के लिए सुर्खियों में रहती हैं। उनकी हालिया चर्चा सेवा-सृजन आदि क्षेत्रों में योगदान हेतु राज्यसभा के सदस्य के रूप में मनोनीत होने के लिए हो रही है। कभी-कभी किसी पद पर योग्य व्यक्ति की नियुक्ति उस पद को भी गरिमा दे जाती है। कमोबेश सुधा मूर्ति के बारे में ऐसा कहा जा सकता है। समाज में बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री व पद्मभूषण का बड़ा नागरिक सम्मान पहले ही दिया जा चुका है। सबसे ज्यादा चर्चा उनकी सादगी को लेकर होती है। ऐसे दौर में जब भारत में नवधनाढ्य रुपयों की खनक में उछलने लगते हैं, सुधा मूर्ति की सादगी प्रेरित करती है। खुद अरबपति होने और पति की अरबों रुपये की संपत्ति के बावजूद उनकी सहजता-सरलता अनुकरणीय है। भारतीय संस्कृति व संस्कारों की पैरोकार सुधा कहती हैं कि पिछले तीस सालों से उन्होंने कोई नई साड़ी नहीं खरीदी। सादगी का आलम देखिए- जब उन्होंने लंदन में अपनी बेटी-दामाद के घर जाने के लिए प्रवासन अधिकारी को अपने जाने का पता ह्यदस डाउनिंग स्ट्रीटह्ल प्रधानमंत्री का आवास बताया तो अधिकारी ने कहा कि आप कहीं मजाक तो नहीं कर रही हैं। खुद अरबपति होने के बावजूद सुधामूर्ति आम जीवन में ऐसे ही सादगी से रहती हैं।

कॉलेज की पढ़ाई से लेकर सार्वजनिक जीवन में उन्होंने इतना कुछ किया कि वे सदैव पुरस्कारों से नवाजी जाती रहीं। कालेज में गोल्ड मेडल जीतने के सिलसिले से लेकर पद्मश्री और पद्मभूषण तक उनके नाम हैं। वे शिक्षाविद् हैं, लोकप्रिय लेखिका हैं, समाज सेविका हैं। उन्होंने अपने सृजन से वैश्विक ख्याति अर्जित की है। वे इन्फोसिस फाउंडेशन की चेयरमैन रही हैं। वे कभी अपने सॉफ्टवेयर अरबपति पति एन. आर. नारायणमूर्ति, कभी वेंचर कैपिटलिस्ट बेटी अक्षता मूर्ति, कभी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक तो कभी अपने बयानों की वजह से सुर्खियां बटोरती रही हैं। टीवी व सोशल मीडिया पर उनके बयान चाव से पढ़े जाते हैं। पिछले दिनों उनके शाकाहार पर दिये बयानों को लेकर सोशल मीडिया पर खूब गर्मागर्मी रही। उन्होंने कहा था कि जब वे विदेश जाती हैं तो पहले शाकाहारी होटल-रेस्टोरेंट ढूंढ़ती हैं। खासकर वे चम्मच का विशेष ध्यान रखती हैं कि कहीं वो तामसिक खाद्य पदार्थ के लिए उपयोग नहीं किया गया हो। आलोचना पर वे कहती हैं ये कोई

नई बात नहीं है क्योंकि उनसे पहले पीढ़ी के लोग भी इसी तरह बाहर खाने को लेकर सतर्क रहते थे। सुधामूर्ति तब भी मजबूती से अपने पति एन. आर. नारायणमूर्ति के पक्ष में खड़ी नजर आईं जब उनके युवाओं को हर सप्ताह सत्तर अस्सी घंटे काम करने वाले बयान की आलोचना हुई थी।

कर्नाटक स्थित हावेरी में 19 अगस्त, 1950 को एक संस्कारी ब्राह्मण परिवार में जन्मी सुधा के पिता आर.एच. कुलकर्णी एक डॉक्टर व मां विमला अध्यापिका थीं। प्रारंभिक पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अपनी व्यावसायिक शिक्षा कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग से की। उन्होंने कालांतर में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री की। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिभा का सम्मान करते हुए उन्हें स्वर्ण पदक दिया था। उस समय गिनी-चुनी लड़कियां ही ये आधुनिक विषय चुनती थीं। इसी तरह टाटा इंजीनियरिंग एंड लोकोमोटिव कंपनी में वे पहली महिला इंजीनियर के रूप में नियुक्त हुईं। लोग उन्हें अचरज से देखते थे कि क्या कोई महिला भी इंजीनियर हो सकती है।

सुधामूर्ति एक बहुचर्चित साहित्यकार भी हैं। कन्नड़ और अंग्रेजी साहित्य में उनकी खास पहचान है। उनकी संवेदनशील रचनाओं के चलते उन्हें खासी लोकप्रियता मिली। उन्हें कन्नड़ का लेडी प्रेमचंद की संज्ञा भी दी गई। वे कई उपन्यास, प्रेरक लेखन, तकनीकी पुस्तकें व यात्रा वृत्तांत लिख चुकी हैं। वहीं उनका बाल साहित्य भी खासा लोकप्रिय हुआ है। दुनिया की कई भाषाओं में उनकी पुस्तकें अनुवादित भी हुई हैं।

बेहद संपन्न परिवार का हिस्सा होने के बावजूद सुधामूर्ति के दिल में समाज के वंचित, उपेक्षित व पीड़ित वर्ग के लिए गहरी संवेदना रही है। उनकी विशिष्ट पहचान समाज कल्याण के कार्यों को लेकर भी रही है। इन्फोसिस फाउंडेशन की चेयरमैन के रूप में उन्होंने समाज के लिए ठोस काम किये। इसके अंतर्गत हेल्थकेयर, स्वच्छता, गरीबी मुक्ति के अभियान भी शामिल हैं। उनके प्रयासों से हजारों बाढ़ पीड़ितों के लिए घर बनने संभव हो सके। कई स्कूलों में पुस्तकालय बनवाए। स्वच्छता अभियान के तहत सैकड़ों सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण किये गए। इसी कड़ी में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में बनी विशिष्ट लाइब्रेरी भी शामिल है।

सबसे महत्वपूर्ण बात है कि वे अपने पति के मिशन में हरदम साथ खड़ी रहीं। उन्होंने उन्हें प्रेरित किया। एक टीवी कार्यक्रम में जिक्र भी किया था कि उन्होंने पति नारायणमूर्ति को इन्फोसिस की स्थापना के लिए वर्ष 1981 में दस हजार रुपये की पूंजी दी थी। फिलहाल नारायणमूर्ति की गिनती हजारों करोड़ वाले अरबपतियों में होती है। सादगी से समाज के कल्याण के लिए निरंतर काम करने वाले इस दंपति की भारत में विशिष्ट छवि है। उनकी विशिष्ट सफलता व सादगी का जीवन करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणास्रोत है।

बहरहाल, अपनी साफगोई और सहजता के लिए चर्चित सुधामूर्ति को भारतीय मीडिया से हमेशा सकारात्मक प्रतिसाद मिलता रहा है। वे अक्सर प्रिंट व डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म पर साक्षात्कारों में बेबाकी से अपनी बात रखती नजर आती हैं। वे भारतीय जीवन मूल्यों व प्रकृतिमय जीवन की पक्षधर हैं। बच्चों का गुणवत्तापूर्ण लालन-पालन और महिलाओं का सशक्तीकरण सदैव उनकी प्राथमिकताओं में रहा है। अनेक विश्वविद्यालयों से मिली मानद डॉक्टरेट की उपाधियां और तमाम राष्ट्रीय पुरस्कार उनकी मेधा व योगदान का प्रतिफल है।

राजस्थान में कांग्रेस ने उम्मीदवार तो दमदार उतारे हैं, देखना होगा कि परिणाम क्या रहता है?

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 10 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। पिछले दो बार के लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटों पर चुनाव हारने वाली कांग्रेस पार्टी इस बार चुनाव में फूंक फूंक कर कदम रख रही है। इसीलिए अब तक घोषित 10 प्रत्याशियों में से किसी भी पुराने प्रत्याशी को रिपीट नहीं किया गया है। हालांकि कांग्रेस के बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव मैदान में नहीं उतरे हैं। यदि यह सभी नेता भी चुनाव मैदान में उतरते तो कांग्रेस बीजेपी में कड़ा मुकाबला देखने को मिलता। हालांकि अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को इस बार भी लोकसभा चुनाव में उतारा गया है। मगर उनका क्षेत्र बदलकर जोधपुर के स्थान पर जालौर-सिरोही कर दिया गया है। भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए चूरू के सांसद राहुल कस्वां को भी चूरू से प्रत्याशी बना दिया है। इसके साथ ही उदयपुर सीट पर आईएएस से इस्तीफा देने वाले ताराचंद मीणा को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है।

कांग्रेस की सूची में बीकानेर सुरक्षित सीट से गोविंदराम मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया है। गोविंदराम मेघवाल पिछला विधानसभा चुनाव खाजूवाला क्षेत्र से हार गए थे। वह पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व पूर्व में भाजपा से भी विधायक रह चुके हैं। पिछली बार बीकानेर से मदन गोपाल मेघवाल को प्रत्याशी बनाया गया था। वहीं 2014 में पूर्व सांसद शंकर पन्नू को प्रत्याशी बनाया गया था। चूरू संसदीय सीट पर दो बार भाजपा से सांसद बने राहुल कस्वां को प्रत्याशी बनाया गया है। राहुल कस्वां के पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद रह चुके हैं। जिले में इन्होंने ही सबसे पहले भाजपा का खाता खोला था। मगर राहुल कस्वां का टिकट काट देने से वह कांग्रेस की तरफ से चुनाव लड़ेंगे। चूरू से पिछली बार रफीक मंडेलिया व 2014 में प्रताप पूनिया को प्रत्याशी बनाया गया था।

झुंझुनू सीट से विधायक बृजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया गया है। चार बार के विधायक बृजेंद्र वाला गहलोत सरकार में परिवहन राज्य मंत्री थे। उनके पिता शीशराम ओला झुंझुनू से पांच बार सांसद, नौ बार विधायक, केंद्र व राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके थे। झुंझुनू से पिछली बार सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार को व 2014 में बृजेंद्र ओला की पत्नी राजबाला ओला को प्रत्याशी बनाया गया था। यादव मतदाताओं की बहुलता वाली अलवर सीट पर मुंडावर विधायक ललित यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। ललित यादव ने पिछला विधानसभा चुनाव 34526 मतों से जीता था। अलवर से पिछले दो बार कांग्रेस से भंवर जितेंद्र सिंह चुनाव लड़कर बड़े अंतर से पराजित हुए थे। भरतपुर सुरक्षित सीट से संजना जाटव को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकि पिछली बार अभिजीत कुमार जाटव व 2014 में डॉक्टर सुरेश जाटव प्रत्याशी थे। इस बार की प्रत्याशी संजना जाटव पिछला विधानसभा चुनाव कठूमर सीट से मात्र 409 मतों से हार गई थी। संजना जाटव अभी अलवर जिला परिषद की सदस्य हैं तथा मात्र 26 साल की उम्र से ही उसे लगातार कांग्रेस पार्टी से टिकट मिल रही है। संजना जाटव कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के अभियानों से जुड़ी हुई हैं। इसी के चलते उन्हें टिकट मिला है। टोंक-सवाई माधोपुर सीट से कांग्रेस ने देवली विधायक हरीश मीणा को मैदान में उतारा है। जबकि पिछली बार उनके भाई नमोनारायण मीणा व उससे पहले क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन चुनाव लड़ चुके हैं। यहां से सचिन पायलट के चुनाव लड़ने की चर्चा थी। मगर उन्होंने अपने विश्वासपात्र हरीश मीणा को मैदान में उतार दिया है। हरीश मीणा 2014 में भाजपा से सांसद व 2018 तथा 2023 में कांग्रेस से विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। वह पूर्व में राजस्थान पुलिस के डीजीपी रह चुके हैं। जोधपुर में करण सिंह उचियारड़ा को प्रत्याशी बनाया गया है। पिछली बार वहां अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत उम्मीदवार थे। मगर 3 लाख वोटों से हार गए थे। 2014 में वहां से केंद्रीय मंत्री चंद्रेश कुमारी प्रत्याशी रही थीं। जोधपुर लोकसभा सीट को कभी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गढ़ माना जाता था। वह जोधपुर से पांच बार सांसद व छह बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। मगर पिछले लोकसभा चुनाव में उनके पुत्र की करारी हार के चलते उन्होंने अपने पुत्र वैभव गहलोत को जोधपुर के स्थान पर जालौर-सिरोही सीट से प्रत्याशी बनवाया है। जोधपुर से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को लगातार तीसरी बार प्रत्याशी घोषित किया है। जालौर-सिरोही सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत चुनाव लड़ेंगे। पिछली बार यहां से रतन देवासी प्रत्याशी थे। जबकि 2014 में चित्तौड़गढ़ के रहने वाले उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया था। उदयपुर सीट से उदयपुर में कलेक्टर रह चुके ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया गया है। 2019 व 2014 में यहां से रघुवीर मीणा कांग्रेस प्रत्याशी रहे थे। चित्तौड़गढ़ सीट पर उदयलाल आंजना को प्रत्याशी बनाया गया है। आंजना गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री थे तथा पिछला विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। चित्तौड़गढ़ में पिछली बार गोपाल सिंह शेखावत व 2014 में गिरिजा व्यास चुनाव लड़ चुकी हैं। उदयलाल आंजना 2014 में जालौर-सिरोही सीट से चुनाव लड़कर हार चुके हैं। चित्तौड़गढ़ में भाजपा से प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी तीसरी बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं। कांग्रेस ने इस बार तीन मौजूदा विधायक झुंझुनू से बृजेंद्र ओला, अलवर से ललित यादव, टोंक-सवाई माधोपुर से हरीश मीणा को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा सांसद राहुल कस्वां को चूरू से तथा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हरीश मीणा व ताराचंद मीना को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने तीन विधायकों को मैदान में उतार दिया है। वहीं पांच अन्य सीटों पर विधायकों कोटा से अशोक चांदना, दौसा से मुरारीलाल मीणा, राजसमंद से सुदर्शन सिंह रावत, बाड़मेर से हरीश चौधरी व करौली-धौलपुर से अनीता जाटव के नाम चल रहे हैं। कांग्रेस में चर्चा है कि बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट भारतीय आदिवासी पार्टी को, सीकर सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को तथा नागौर व बाड़मेर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को गठबंधन में दी जा सकती है। इसी के चलते इन सीटों पर अभी प्रत्याशियों के नाम तय नहीं किए गए हैं। हालांकि बाड़मेर से विधायक हरीश चौधरी गठबंधन का विरोध कर रहे हैं। वह बाड़मेर से सांसद रह चुके हैं तथा चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी का प्रत्याशी ही बाड़मेर सीट से चुनाव लड़े। इसी के चलते अभी गठबंधन की घोषणा नहीं हो पाई है। कांग्रेस के लिए इस बार का चुनाव वर्चस्व का सवाल बना हुआ है। विधानसभा में मिली हार के बाद कांग्रेस के पास यह सुनहरा अवसर है कि वह पिछली दो बार की हार को जीत में बदलकर अपना खोया जनाधार फिर से मजबूत करने की दिशा में अग्रसर हो।

डीएम व एसपी ने सभी दलों के प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता की पढ़ाई पाठ और की प्रेसवार्ता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा उत्तर प्रदेश में लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 की घोषणा के उपरान्त जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट आर्यका अखौरी व पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने रविवार को रायफल क्लब के कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस प्रतिनिधियो तथा सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुये आदर्श आचार संहिता व निर्वाचन से सम्बन्धित सभी कार्यो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद गाजीपुर में लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 को पारदशीर्पूर्ण, निष्पक्ष व स्वस्थ तरीके से सम्पन्न कराने के लिये प्रशासन कटिबद्ध हैं। उन्होने कहा कि निर्वाचन की अधिसूचना 16 मार्च, 2024 को लगने के उपरान्त लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र 75 गाजीपुर में समाविष्ट 05 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा 373 जखनियॉ (अ0जा0) 453288 मतदाता, 374 सैदपुर (अ0जा0) 415141 मतदाता, 375 गाजीपुर-377091 मतदाता, 376 जंगीपुर-385554 मतदाता एवं 379 जमानियॉ-439851 मतदाता, तथा लोक सभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र 72 बलिया (आंशिक) में समाविष्ट इस जनपद के 02 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा 377 जहूराबाद-422587 मतदाता एवं 378 मोहम्मदाबाद-434166 मतदाता का निम्नकिंत निर्वाचन कार्यक्रम हेतु जिसमें निर्वाचन की अधिसूचना दिनांक 07 मई, 24 दिन मंगलवार, नाम निर्देशन हेतु अन्तिम दिनांक 15 मई, 24 दिन बुधवार, नाम निर्देशन की जांच/संवीक्षा का दिनांक 15 मई, 24 दिन बुधवार, नाम वापसी हेतु अन्तिम दिनांक 17 मई 24 दिन शुक्रवार, मतदान 01 जून, 24 दिन शनिवार, मतगणना 04 जून मंगलवार एवं 06 जून 24 दिन बृहस्पतिवार तक निर्वाचन पूरी कर लिया जाएगा। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि 01 नवंबर 2023 से 05 दिसंबर 2023 तक 35 दिन मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम किया गया। 05 जनवरी 24 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया, जिसमें वर्तमान में कुल 2927678 मतदाता हैं जिसमें 1544879 पुरूष एवं 1382714 महिला मतदाता, थर्ड जेण्डर-85, 18-19 आयु वर्ग के कुल मतदाता 60658 युवा मतदाताओं का नाम पंजीकृत किया गया जिसमें पुरूष-32651 एवं महिला-28005 तथा थर्ड जेण्डर-02 मतदाता नये बने है। कुल 22165 दिव्यांग मतदाता है जिसमें पुरूष की संख्या-13590 एवं महिला -8574 तथा थर्ड जेण्डर-1 है। 80 वर्ष से अधिक उम्र के 52336 मतदाता है जिसमें पुरूष 23165 व महिला 291712 भी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सर्विस मतदाताओं की कुल संख्या 19528 है, जिमसें पुरूष 18933 व महिला 595 शामिल है। जिला निर्वाचन

अधिकारी/जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने वार्ता के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक सभा सामान्य निर्वाचन-24 का कार्यक्रम घोषित होने के उपरान्त बताया कि दिनांक 16 मार्च 24 से सम्पूर्ण जनपद में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। कोई दल या अभ्यर्थी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जिससे भिन्न जातियों और धार्मिक या भाषाई समुदायों के बीच विद्यमान मतभेद अधिक गंभीर हो सकते हैं या परस्पर नफरत हो सकती है या तनाव पैदा हो सकता है, कोई भी राजनैतिक दल या अभ्यर्थी अपने अनुयायियों को किसी भी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी भूनि, भवन परिसर की दीवारों इत्यादि पर झंडा लगाने बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने इत्यादि की अनुमति नहीं देगा, किसी दल द्वारा उन स्थानों के आसपास जुलूस न निकाला जाए जहाँ अन्य दल की सभाएं आयोजित हो रही हैं। किसी दल के कार्यकर्ता अन्य दल के कार्यकताओं द्वारा लगाए गए पोस्टर नहीं हटाएंगे। दल या अभ्यर्थी स्थानीय पुलिस प्राधिकारियों को किसी भी प्रस्तावित सभा के स्थल और समय के बारे में काफी पहले से सूचित करेंगे ताकि पुलिस यातायात को नियंत्रित करने और शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था कर सके। दल या अभ्यर्थी अग्रिम रूप से सुनिश्चित करेगा कि क्या सभा के लिए प्रस्तावित स्थल पर कोई रोक या निषेधाज्ञा लागू तो नहीं है और यदि ऐसे आदेश मौजूद हैं तो उनका कड़ाई से पालन किया जाएगा। यदि ऐसे आदेशों से किसी रियायत की आवश्यकता हो, तो अग्रिम रूप से इसके लिए आवेदन किया जाएगा और प्राप्त किया जाएगा। यदि किसी प्रस्तावित सभा के संबंध में लाउडस्पीकरों या किसी अन्य सुविधा के उपयोग के लिए अनुमति या अनुज्ञा प्राप्त करने की आवश्यकता है, तो दल या अभ्यर्थी अग्रिम रूप से संबंधित प्राधिकरण के समक्ष आवेदन करेगा और यह अनुमति या अनुज्ञा प्राप्त करेगा।

उन्होने पम्पलेट, पोस्टर आदि मुद्रण के सम्बन्ध में बताया कि एतद्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 ए के अधीन सर्वसाधारण एवं समस्त प्रिन्टिंग प्रेस एवं मुद्रण माध्यमों को सूचित किया जाता है कि कोई व्यक्ति किसी ऐसे निर्वाचन पम्पलेट अथवा पोस्टर का मुद्रण या प्रकाशन नहीं करेगा अथवा मुद्रित या प्रकाशित नहीं करवायेगा जिसके मुख्य पृष्ट पर इसके प्रकाशक का नाम व पता न लिखा हो, कोई व्यक्ति किसी निर्वाचन पम्पलेट अथवा पोस्टर का मुद्रण नहीं करेगा या मुद्रित नहीं करवायेगा जब तक कि प्रकाशक के पहचान की घोषणा, उनके द्वारा हस्ताक्षरित तथा 2 व्यक्ति जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हो, द्वारा सत्यापित न हो तथा जिसे उनके द्वारा डुप्लीकेट में मुद्रक को न दिया जाये, जबतक कि दस्तावेज के मुद्रण के पश्चात उचित समय पर मुद्रक द्वारा दस्तावेज की एक प्रति के साथ घोषणा की एक प्रति न भेजी जाये। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 क के अधीन उपरोक्त व्यवस्था के अन्तर्गत यह स्पष्ट किया जाता है कि किसी भी इलेक्शन पम्पलेट, पोस्टर, न्यूज रिपोर्ट अथवा अन्य मुद्रण सामग्री जो भुगतान के आधार पर प्रकाशित हो, पर मुद्रक/प्रकाशक का नाम और पता प्रिन्ट लाइन में साफ-साफ उद्धृत होना चाहिए। उन्होने बताया कि प्राविधानों के उल्लंघन होने पर प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज कराते हुये सम्बन्धित उल्लंघनकर्ता के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा प्रिन्टिग प्रेस का लाइसेन्स तत्काल निरस्त किया जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग के विद्यमान निदेर्शों के अनुसार वीडियो निगरानी टीम, लेखा टीम, उड़नदस्ता टीम निर्वाचन की घोषणा की तिथि से क्रियाशील कर दिया गया है। टीम 24 घण्टे क्रियाशील रहेगी ट्यूटर, फेसबुक, वाट्सप एवं इस्ट्राग्राम तथा अन्य सम्बन्धित बेव मीडिया से गलत अफवाओं का आदान प्रदान करने एवं किसी भी पार्टी का प्रचार प्रसार करने पर कठोरतम कार्यवाही की जायेगी। किसी भी दशा में गलत करने वाले बच नही पायेगे।

मतदाता जागरूकता चलाने के लिए दिलाया संकल्प

जौनपुर। जनपद के मतदाताओं को जागरूक बनाकर लोकसभा सामान्य निर्वाचन में अधिक से अधिक मतदान कराने के उद्देश्य से ईएलसी निर्वाचन साक्षरता क्लब की कार्यशाला स्थान राजा श्रीकृष्ण दत्त इण्टर के सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 114 कालेजों से आये स्वीप नोडल अधिकारी प्रतिनिधि व कैम्पस अम्बेडकर को प्रशिक्षित किया गया कि अपने अपने कालेजों में गठित ईएलसी को सक्रिय करते हुए निरन्तर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाये और जनपद में 25 मई को मतदान करने के लिए सभी मतदाताओं को प्रेरित करें। जिससे जनपद का मतदान प्रतिशत खूब बढ़े। जिला विधालय निरीक्षक प्रतिनिधिध ईएलसी कोआर्डिनेटर रमेश चन्द्र यादव ने उपस्थित लोगों को मतदाता जागरूकता चलाने हेतु संकल्प दिलाते हुए मतदान की शपथ दिलाई। ईएलसी योजना के

बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए ईएलसी कोआर्डिनेटर रमेश चन्द्र यादव ने कहा कि हमारे लोकतंत्र को अधिक मजबूत बनाने के लिए, हमारा उद्देश्य सभी पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना है और यह सुनिश्चित करना है कि यह शतप्रतिशत त्रुटि मुक्त हो। मतदाता शिक्षा का मुख्य उद्देश्य, मतदाताओं को सूचित करना, उन्हें नैतिक बनाना और उनकी भागीदारी को बढ़ाने में मदद करना है। उन्होंने जनपद के सभी इन्टर और डिग्री कालेजों से अपील किया कि अपने कालेज में गठित निर्वाचन साक्षरता क्लब को सक्रीय करते हुए इसके माध्यम से एक मजबूत आंदोलन चलाते हुए सभी मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक व प्रेरित करें। जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम से बड़ा चुनावी साक्षरता आंदोलन चलाये जिससे ह्यह्लकोई मतदाता छुट ना जाएह्व के उद्देश्य को पूरा किया जा सकें, और शतप्रतिशत मतदान हो। उन्होंने कहा कि सभी लोग बीएलओ के माध्यम से या वोटर हेल्पलाइन ऐप या वोटर पोर्टल के माध्यम से आनलाइन अपना नाम मतदाता सूची में चेक कर सकते हैं, यदि 18 वर्ष से ऊपर के किसी का नाम सूची में नहीं है तो तुरंत इस ऐप के माध्यम से फार्म 6 भरकर आवेदन कर सकते हैं। जिससे 25 मई को आप मतदान कर सकें। संचालन प्रधानाचार्य डा संजय चैबे ने किया। इस अवसर पर अशोक तिवारी, प्रधानाचार्य डा संतोष सिंह, प्रधानाचार्य डा जे पी सिंह, प्रेम चन्द्र, डा रमेश चन्द, विश्वनाथ यादव, रवि सिंह, आनन्द तिवारी, बृजभूषण यादव, संजय सिंह, सत्य प्रकाश सिंह सहित विभिन्न कालेजों के स्वीप नोडल व कैम्पस अम्बेसडर उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बैककर्मी व भाई को दबंगो ने पीटा, मुकदमा दर्ज

पिंडरा। सिंधोरा थाना क्षेत्र के हिरामनपुर बाजार में सब्जी लेने रुके पंजाब नेशनल बैंक के आंचलिक कार्यालय में तैनात कर्मचारी को पुरानी रंजिश में दबंगों ने बुरी तरह पीट दिया।पुलिस ने आधा दर्जन लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस को दिए तहरीर में उदपुर निवासी बैंक कर्मी सन्तोष कुमार 45 वर्ष ने बताया कि वह शनिवार को रात्रि 8 बजे बैंक कार्यालय से घर जाते समय हिरामनपुर बाजार में सब्जी लेने के लिए रुका तभी हिरामनपुर निवासी आकाश पाठक, प्रमोद पाठक, चंद्रमोहन सिंह व कृपाशंकर सिंह ने उसे और उसके भाई को सरेराह बाजार में भीड़ के बीच जाति सूचक गाली गलौज देते हुए बुरी तरह पीट दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर 147, 323,504, 506 व एससी एसटी एक्ट के तहत चार ज्ञात व दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। आरोपितों के तलाश में पुलिस दबिश दी लेकिन नही मिले।

मनबढ़ो ने वृद्ध को घर में घुसकर पीटा पांच के खिलाफ केस दर्ज

प्रखर सहजनवां/गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के आदर्श पुलिस चौकी घघसरा के अन्तर्गत कोड़री उर्फ हड़ही में पुरानी रंजिश को लेकर आधा दर्जन के करीब मनबढ़ लाठी डंडे के साथ लैस होकर घर में घुस गए। और वृद्ध महिला को पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने पांच आरोपी और दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी अनुसार कोड़री उर्फ हड़ही निवासी कन्हैया पुत्र रामधनी की पत्नी ने शनिवार को शाम छः बजे फोन से जानकारी दी थी की आधा दर्जन की संख्या में मनबढ लाठी डंडे से लैस होकर घर में घुस आए थे। और वृद्ध महिला रामरती देवी को मारपीट कर घायल कर दिए है। तथा घर में रखा सामान तोड़फोड़ डाले है। और जाते समय जान से मारने की धमकी भी दिए है। पुलिस ने आरोपी केसरा देवी,सोनी,शर्मिला,सवारी,नौरंगी, तथा दो अज्ञात के खिलाफ बलवा,घर में घुसकर मारपीट,तोड़फोड़,जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर लिया है।

वाराणसी जनपद में कोटे की दुकान से 15 मार्च से होने वाला राशन वितरण किसी भी दुकान से राशन वितरण नहीं हो पाया

प्रखर दानगंज वाराणसी । चोलापुर वाराणसी मार्च का राशन वितरण 15 मार्च से राशन वितरण का आदेश जारी किया गया था लेकिन NIC द्वारा सरवर का समस्या होने के कारण 15 .16 और 17 तारीख को भी नहीं हो पाया जिससे वाराणसी जिले के सभी राशन कार्ड धारको को बिना राशन प्राप्त किए दुकान से वापस आना पड़ रहा है। राशन वितरण नहीं हो अपने से गरीब जनता को बार-बार दुकान का चक्कर लगाना पड़ रहा है वाराणसी जनपद में फरवरी माह में नई ई वेइंग मशीन राज्य सरकार द्वारा वाराणसी जनपद में लगाया गया है जिसमें राशन वितरण करते वक्त बार-बार सर्वर का समस्या का सामना करना पड़ रहा है फरवरी माह का भी राशन वितरण करने में काफी परेशानियां आई थी ऐसी स्थिति में राशन कार्ड धारक और दुकान दरों में वाद विवाद होने की समस्या भी उपलब्ध हो जा रही है।

विवि के चार विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर गेट में सफलता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर जौनपुर के चार विद्यार्थियों ने आईआईटी द्वारा संपन्न कराए जाने वाली राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट (गेट) में सफलता प्राप्त किया है। ज्ञात हो की इस बार गेट की परीक्षा को भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु द्वारा संपन्न कराया गया था। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के चार छात्रों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के भौतिकी विभाग के छात्र अतुल यादव तथा भू एवं ग्रहीय अध्ययन विभाग कि छात्रा सोनल यादव ने गेट की परीक्षा को उत्तीर्ण किया और विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान के बी. टेक. मैकेनिकल विभाग के छात्र अमन कुमार एवं बी. टेक कंप्यूटर विज्ञान विभाग के छात्र शैलेंद्र प्रताप सिंह ने इस परीक्षा को उत्तीर्ण किया। विद्यार्थियों की सफलता पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है । इस अवसर पर रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो मिथिलेश सिंह, प्रो संदीप सिंह, प्रो सौरभ पाल सहित अन्य प्राध्यापकों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य राष्ट्र के प्रति सेवा

जौनपुर। तिलकधारी पीजी कॉलेज के महाराणा प्रताप व्यायामशाला में आज राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह प्रबंधक, ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक स्वयं सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्हें दूसरों के सेवा, सहायता तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व को एक उत्तम नागरिक के रूप में निर्वहन करने के लिए तैयार रहना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य दूसरों की सेवा एवं राष्ट्र के प्रति सेवा, त्याग और समर्पण की भावना है। राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के माध्यम से छात्रध छात्राओं को भविष्य के सजग राष्ट्र प्रहरी के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए दूसरों की सेवा का भाव सिखाया जाता है।।कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की आराधना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। आये हुए अतिथियों का स्वागत वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ.

विपिन कुमार सिंह ने किया। स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यह शिविर मा. प्रबंधक जी के सहयोग और आशीर्वाद से ही संभव हो पाया है और छात्रों की संबोधित करते हुए कहा कि इस शिविर के माध्यम से हम अपने आस पास सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से सामुदायिक सेवा शैक्षिक पहल , पर्यावरण सरंक्षण और मतदाता जागरूकता अभियान से किया जाएगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. माया सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना एवं उद्देश्य के बारे में शिवार्थियों को बताया। डॉ० जितेश सिंह ने एनएसएस कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं में नयी ऊर्जा और उत्साह बढ़ाने का एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। डॉ प्रशांत कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को सामुदायिक सेवा और राष्ट्र प्रेम से जोड़ने का कार्यक्रम है। कार्यक्रम में शिविरार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया और व्यामशाला परिसर की साफ सफाई की गयी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 आशा रानी एवं अनेक सम्मानित अतिथिगण और सहयोग के लिए विक्रम सिंह, चन्द्र प्रकाश गिरी, नरेंद्र सिंह, पवन कुमार सिंह उपस्थित रहे।

होली पर आन काल ड्यूटी पर रहेंगे चिकित्सक

जौनपुर। होली के त्योहार को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। होली पर किसी तरह की घटना होती है या फिर रंग खेलने के दौरान किसी की आंख या त्वचा पर कोई परेशानी होती है तो उसके इलाज के लिए जिला अस्पताल में ऑन काल ड्यूटी पर डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। डॉक्टरों को अस्पताल परिसर नहीं छोड़ने के लिए जल्द पत्र जारी कर दिया जाएगा। होली पर जिला अस्पताल में चिकित्सकों की 24 घंटे की ड्यूटी लगाई जाएगी। आंख रोग विशेषज्ञ और त्वचा रोग विशेषज्ञ की तैनाती की जाएगी। सोमवार को बैठक कर चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इमरजेंसी में पर्याप्त दवाएं रखी जाएंगी, ताकि किसी को दवा के लिए परेशानी न उठानी पड़े। होली के एक दिन पहले से एक दिन बाद तक स्वास्थ्य सेवा की व्यवस्था रहेगी । अस्पताल के स्टाफ को भी पत्र जारी कर ड्यूटी की सूचना दी जाएगी। होली को लेकर अभी से सतर्कता बढ़ा दी गई है। मरीजों के इलाज के लिए ओपीडी में डाक्टरों को निर्देश जारी कर दिया गया है। डॉ. केके राय, सीएमएस, जिला अस्पताल ने बताया है कि होली के त्योहार पर आंख और त्वचा के डॉक्टरों की प्राथमिकता से ड्यूटी लगाई जाएगी। अस्पताल में डॉक्टर 24 घंटे ऑन कॉल ड्यूटी पर रहेंगे। डॉक्टरों को शीघ्र ही पत्र जारी कर सतर्क कर दिया जाएगा। पर्याप्त दवाएं उपलब्ध करा दी गईं हैं।

समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी घोषित

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की अनुमति से जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने समाजवादी पार्टी की 65 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने बताया कि जिसमे वरिष्ठ नेता महेंद्र कुमार यादव, डा. सरफराज, राजेंद्र यादव, हीरालाल विश्वकर्मा, इरशाद मंसूरी, विक्रमजीत बिंद ,राजमूर्ति सरोज, सहित 12 उपाध्यक्ष, आरिफ हबीब को महासचिव, सुशील कुमार श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी है। इसके अतिरिक्त कैलाशनाथ यादव, राजदेव पाल, दीनानाथ सिंह गौरीशंकर सोनकर, प्यारेलाल निषाद, निजामुद्दीन अंसारी, मंजूर हसन, जमीर हसन, अफरोज हुसैनी, संजीव साहू, अरुण प्रजापति, शाहनवाज खान शेखू, दीपक जायसवाल, भूपेश पांडे, अवधेश पटेल, हवलदार चैधरी सहित 35 सचिव तथा लालजी पटेल, अलीमंजर डेजी, शिवप्रकाश विश्वकर्मा, कमलेश सरोज, ठाकुर प्रसाद तिवारी सहित 16 कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए है। इसके अतिरिक्त राजनाथ यादव, शकील अहमद राजकुमार बिंद, पूनम मौर्य, अनवार आब्दी, शैलेंद्र सिंह पप्पू, रमापति यादव पूर्व प्रमुख, मेवालाल गौतम सहित 43 वरिष्ठ नेताओं को विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया गया है। पार्टी के विधायक गण, विधान परिषद सदस्य गण,पूर्व सांसद गण, पूर्व विधायक गण, पूर्व विधान परिषद सदस्य गण, पूर्व मंत्रीगण, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष गण, पूर्व जिलाध्यक्ष गण, नगर पालिका अध्यक्ष गण, नगर पंचायत अध्यक्ष गण, ब्लॉक प्रमुख गण, सहित राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारीगण पदेन सदस्य नामित किए जाते है ।सिरकोनी निवासी नंदलाल यादव नंदू को जफराबाद विधानसभा अध्यक्ष नामित किया गया है। यह जानकारी जिला महासचिव आरिफ हबीब ने दी है।

कल्याणकारी कार्यों से प्रदेश की नई पहचानः राज्यमंत्री

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी नगर दक्षिणी व नगर उत्तरी मण्डल का कार्यकर्ता सम्मेलन नगर के सिपाह स्थित विवाह मैरिज लान पर और करंजाकला मण्डल का कार्यकर्त्ता सम्मेलन सिद्दीकपुर में हुआ। नगर मण्डल के सम्मेलन का शुभारम्भ अतिथि खेल मंत्री गिरीश चन्द्र यादव, पिंडरा के विधायक अवधेश सिंह व लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह, नगर पालिका परिषद कि अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि करके किया गया। सम्मेलन में खेल मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश कि योगी सरकार के विकास एवं जन कल्याणकारी कार्यों के परिणाम स्वरूप आज प्रदेश एक नई पहचान के साथ देश के विकास में अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर रहा है डबल इंजन की सरकार के विकास कार्यों का लाभ गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिला सहित समाज की हर वर्ग को प्राप्त हो रहा है। लोकसभा प्रभारी अमरनाथ यादव जी, नागेश्वर पांडे जी, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह, जिला महामंत्री सुशील मिश्रा, नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, विकास शर्मा ने भी संबोधित किया। संचालन नगर महामंत्री सतीश सिंह त्यागी जी ने किया श्याम मोहन अग्रवाल, डॉ राम सूरत मौर्य,शशि मौर्य, सरदार जसविंदर सिंह, सूर्य प्रकाश मुन्ना, नीरज सिंह, मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, अशोक सेठ, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंघानिया, सुनील सेठ, आशीष गुप्ता, राजेश गुप्ता, सुनील यादव एवं शिवकमल मौर्य आदि उपस्थित रहे।

भजन गायिका अनुराधा पौड़वाल भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। प्रख्यात गायिका अनुराधा पौड़वाल ने शनिवार को यहां भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा महासचिव अरुण सिंह, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी व सह प्रभारी संजय मयूख की मौजूदगी में पौड़वाल ने भाजपा में औपचारिक प्रवेश किया।

पंजाब में गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा के तीन गुर्गे गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा से सम्बन्धित तीन गुर्गों को जीरकपुर से गिरफ्तार करके राज्य में सनसनीखेज अपराधों को टालने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अजय सिंह उर्फ अजयपाल, अंकित दोनों निवासी भिवानी, हरियाणा व लखविन्दर सिंह उर्फ लक्की निवासी जीरकपुर के तौर पर हुई है।

पेट्रोल डाल आग लगाने वाले की इलाज के दौरान हुई मौत

शाहजहांपुर। जिले में पुलिस कार्यालय में घुसकर खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने वाले युवक की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई है। जिले के कांट थाना क्षेत्र निवासी ताहिर अली ने कुछ लोगों के उकसाने पर पुलिस कार्यालय में घुसकर स्वयं को आग लगा ली थी। इसके बाद उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था जहां से उसे लखनऊ के केजीएमसी मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया था इलाज के दौरान तारिक की शुक्रवार रात को मौत हो गई।

राष्ट्रीय राजधानी में लागू हुई दिल्ली सौर नीति 2023

नई दिल्ली। दिल्ली की ऊर्जा मंत्री आतिशी ने शनिवार को कहा कि दिल्ली सौर नीति 2023 लागू कर दी गई है और इससे दिल्लीवालों के बिजली का बिल जीरो आने का रास्ता साफ हो गया है। सुश्री आतिशी ने सौर नीति की अधिसूचना जारी होने पर शनिवार को कहा कि दिल्ली सौर नीति बहुत ही शानदार नीति है। इस नीति के लागू होने से न केवल दिल्ली वालों को फायदा होगा, बल्कि प्रदूषण भी कम होगा। सौर नीति के तहत हर यूनिट बिजली उत्पादन करने पर दिल्ली सरकार छतों पर सोलर लगवाने वाले उपभोक्ताओं को पैसे देगी।

शहीद की पत्नी भारतीय सेना में बनेंगी अधिकारी

झुंझुनू। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) बिपिन रावत के साथ हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हुए कुलदीप राव की पत्नी यश्विनी राव अब भारतीय सेना में तकनीकी अधिकारी होंगी। श्रीमती राव का भारतीय सेना में चयन हुआ है और उनका प्रशिक्षण 24 सितंबर को पूरा होगा। यश्विनी राजस्थान में झुंझुनू जिले के घरड़ाना कलां गांव निवासी शहीद कुलदीप सिंह राव की पत्नी है। वह वायुसेना में स्क्वाड्रन लीडर के पद पर तैनात थे। यश्विनी फिलहाल चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

अर्कांसस में अंधाधुंध फायरिंग 3 लोगों की मौत, 4 घायल

लिटिल राक। अमेरिकी के अर्कांसस में हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक प्राइवेट पार्टी का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान एक गनमैन ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए हैं। इस घटना में फायरिंग करने वाले आरोपी की भी मौत हो गई है। घटना रविवार को अर्कांसस की राजधानी लिटिल रॉक से लगभग एक घंटे की दूरी पर जोन्सबोरो शहर में हुई। प्राइवेट पार्टी का आयोजन शहर की एक पुरानी इमारत में हो रहा था।

विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा

तेलंगाना के लोग चाहते हैं भाजपा तीसरी बार केंद्र की सत्ता में लौटे

● नागरकुर्नूल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि तेलंगाना की जनता की इच्छा है कि भाजपा तीसरी बार केंद्र की सत्ता में वापस आये। श्री मोदी ने शनिवार को यहां एक सार्वजनिक बैठक 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि लोगों ने चुनाव कार्यक्रम से पूर्व ही अपनी प्राथमिकता का संकेत दे दिया है। पीमए ने यहां मल्काजगिरी निर्वाचन क्षेत्र में अपने रोड शो के दौरान सड़कों की दोनों ओर बड़ी संख्या में पार्टी समर्थकों और स्थानीय लोगों उपस्थिति देखने के बाद उन्होंने विश्वास दोहराया कि भाजपा केंद्र में सत्ता में आएगी। उन्होंने तेलंगाना के लिए भी इसी तरह के परिणाम की भविष्यवाणी की। उन्होंने पिछले बीआरएस शासन के प्रति मतदाताओं के असंतोष का जिक्र करते हुए विकास सुनिश्चित करने के वास्ते भाजपा को निरंतर समर्थन की देने पर जोर दिया। श्री मोदी ने बीआरएस और कांग्रेस दोनों पार्टियों की आलोचना की और उन पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और राज्य के कल्याण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने विकास और कल्याण पहल की दिशा में निरंतर प्रयास करने का वादा करते हुए लोगों से बेहतर भविष्य के लिए भाजपा को वोट देने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री एवं तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने श्री मोदी की भावनाओं को दोहराते हुए भ्रष्टाचार को खत्म करने और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की निर्णायक जीत की सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

पीएम-सूर्य घर योजना में एक करोड़ लोग पंजीकृत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिये अब तक एक करोड़ से अधिक परिवारों द्वारा पंजीकरण कराये जाने पर शनिवार को प्रसन्नता व्यक्त की और पंजीकरण कराने वाले परिवारों को सराहना की। उन्होंने बाकी लोगों से योजना में पंजीकरण कराने की अपील भी की है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर इसे एक 'अनूठी पहल' बताया।श्री मोदी ने इस विषय में टिप्पणी की, इस योजना के लॉन्च होने के एक महीने में, एक करोड़ से अधिक परिवारों ने पहले ही पीएम-सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के लिये अपना पंजीकरण करा लिया है। उन्होंने लिखा कि देश के सभी हिस्सों से पंजीकरण हो रहे हैं। असम, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में पांच लाख से अधिक पंजीकरण देखे जा चुके हैं। श्री मोदी ने कहा है कि जिन लोगों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे भी शीघ्र करा लें। प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति में श्री मोदी के हवाले से कहा गया है, यह अनूठी पहल ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित करने के साथ-साथ परिवारों के लिये बिजली व्यय में पर्याप्त कटौती के लिये प्रतिबद्ध है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा पूरी, लेकिन न्याय की लड़ाई आरम्भ : राहुल गांधी

63 दिन में की 6,600 किमी यात्रा, 15 राज्य, 110 जिलों से गुजरी,15 जनसभा की और 70 स्थानों पर जनता को संबोधन

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मणिपुर से महाराष्ट्र तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शनिवार को मुंबई मे समाप्त हो गई, लेकिन उन्होंने कहा कि देश की जनता के साथ हो रहे अन्याय के विरुद्ध उनकी न्याय की लड़ाई की यात्रा जारी रहेगी। श्री गांधी ने कहा कि 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज समापन है - पर यह अंत नहीं, न्याय की लड़ाई का आरंभ है। यात्रा के दौरान मैंने हर वर्ग के साथ हो रहे भयंकर अन्याय और उत्पीड़न को बहुत करीब से जाना और समझा। मैं देशवासियों की उम्मीदों भरी आंखों में छिपे छोटे-छोटे सपनों को अपने साथ लेकर जा रहा हूं।' उन्होंने कहा कि इस यात्रा से मेरा विश्वास और दृढ़ हुआ है कि देश की पहली जरूरत न्याय है और हर वर्ग को समर्पित कांग्रेस के 5 न्याय ही संकटकाल से गुज़र रहे भारत की संजीवनी है। आज चुनाव का बिगुल बज चुका है। कांग्रेस के सभी बब्बर शेर कार्यकर्ताओं अब चैन से तभी बैठना जब अन्याय का पर्याय बन चुकी इस सरकार को उखाड़ कर फेंक देना।' श्री गांधी ने कहा 'हम जनता के जीवन से जुड़े ज़मीनी मुद्दों को लेकर चुनाव में उतरेंगे। हमारा चुनावी अभियान भी युवाओं को रोज़गार,महिलाओं को अधिकार, किसानों को सही दाम,श्रमिकों को सम्मान और वंचितों को हिस्सेदारी की गारंटी को समर्पित होगा। तो उठाओ न्याय की मशालें और गांव-गांव, गली-गली यह संदेश पहुंचा दो कि देश को बचाना है इंडिया गठबंधन को जिताना है।' ईडी और सीबीआई अब स्वतंत्र संस्था नहीं रहीं।

सीएए के खिलाफ ओवैसी ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सीएए 2019 और इसके 11 मार्च 2024 को अधिसूचित नियमों के पीछे 'अपवित्र सांठगांठ' का आरोप लगाते हुए इन पर रोक लगाने की गुहार के साथ सुप्रीम कोर्ट का द्वार खटखटाया है। इस मामले अधिनियम और इससे संबंधित नियमों पर रोक लगाने की मांग करते हुए केरल की आईयूएमएल और अन्य ने याचिकाएं दायर की थीं, जिनपर सुप्रीम कोर्ट 19 मार्च को सुनवाई करने वाली है। श्री ओवैसी ने आवेदन में सीएए 2019 के साथ-साथ इसके नियमों की वैधता को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं के अंतिम निपटान तक रोक लगाने की गुहार लगाई है। सीएए 11 दिसंबर 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया और 12 दिसंबर 2019 को राष्ट्रपति ने अपनी सहमति दी थी। इस अधिनियम में अफगानिस्तान, बंगलादेश या पाकिस्तान से हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी या ईसाई समुदाय के ऐसे प्रवासियों को नागरिकता प्राप्त करने की अनुमति दी है, जो 31 दिसंबर 2014 तक भारत में प्रवेश कर चुके हैं।

नवाज की विदाई अब तय आर्मी ने मार्चिंग ऑर्डर दिया

जल्द पाकिस्तान छोड़ लंदन जाएंगे

नवाज की विदाई के दो बड़े कारण: नवाज मनशेरा सीट से हार गए थे, लाहौर से 50 हजार वोटों से पिछड़ रहे नवाज को बाद में 80 हजार से विजेता घोषित किया गया। यानी नवाज शरीफ का जनाधार बेहद सिकुड़ गया है। उन्हें भी यह पता चल चुका है। नवाज शरीफ की बेटी मरियम शरीफ को पंजाब सूबे का सीएम बनाया जा चुका है। भाई शहबाज शरीफ अभी पाक के पीएम हैं, ऐसे में आर्मी ने नवाज को दो टूक कहा है कि अब उनका परिवार राजनीतिक रूप से सेट हो गया है, उन्हें पाक से रुखसत हो जाना चाहिए।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सियासत में लगभग 45 साल से सक्रिय रहे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का राजनीतिक सफर अब पूरा होने को है। सेना ने नवाज शरीफ के रूप में पाकिस्तान की राजनीति में आखिरी बड़े नाम को भी हाशिये पर डालने की तैयारी कर ली है।

सूत्रों के मुताबिक, आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने नवाज को जल्द लंदन लौटने के आदेश दिए हैं। नवाज के करीबी एक भरोसेमंद सूत्र का कहना है कि वे कथित रूप से खराब सेहत का हवाला देकर लंदन वापसी का अपना प्लान जाहिर करेंगे। हालांकि, यह नवाज का राजनीतिक फेयरवेल होने वाला है। नवाज के लंदन लौटने से आर्मी देश के प्रमुख नेताओं पर अपनी पकड़ और मजबूत कर लेगी।

भारत को चीन मसले पर धैर्यवान, लेकिन दृढ़ रहना होगा: जयशंकर

नई दिल्ली। चीन को भारत का 'बहुत चुनौतीपूर्ण' और 'प्रतिस्पर्धी पड़ोसी' बताते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि हमें इस पूर्वी एशियाई देश से निपटते समय धैर्यवान लेकिन दृढ़ रहने की जरूरत है।

चीन से संबंध बहुत अधिक हुए जटिल

मंत्री ने एक मीडिया कॉन्क्लेव में इस बात पर सहमति जताई कि 2020 के बाद संबंध बहुत अधिक जटिल हो गए हैं, लेकिन कहा कि कि यह समय के साथ मजबूत हो रहा है। जयशंकर ने कहा कि मैं सहमत हूं (कि) 2020 के बाद से, संबंध बहुत अधिक जटिल हो गए हैं। मैं इसे स्वीकार करता हूँ। लेकिन यह समय के साथ मजबूत हो रहा है... हम इसके बारे में खुद के प्रति भी ईमानदार नहीं थे। हम वास्तव में इसे लेकर स्पष्ट नहीं थे, और साफ-साफ कहें तो उसी के अनुसार रणनीति बना रहे थे।

यह पूछे जाने पर कि ऐसे समय में जब देश में अप्रैल- मई में आम चुनाव होने वाले हैं, वह इस चुनौती से कैसे निपटना चाहते हैं, विदेश मंत्री ने कहा कि चीन के संबंध में सबसे पहले कि यह दिखावा बंद करें कि सब कुछ अच्छा है। हम जो महसूस करते हैं उसे व्यक्त करने के लिए चिंतित होना बंद करें, और ऐसी शब्दावली का उपयोग बंद करें, जो हमारे लिए काम नहीं करती है। मंत्री ने कहा कि पहली बात यह है कि हमें आज यह स्वीकार करना होगा कि हमारे पास एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण, प्रतिस्पर्धी पड़ोसी है।

सीबीआई ने शाहजहां के भाई सहित तीन को किया गिरफ्तार

कोलकाता,(एजेंसी)। वेस्ट बंगाल के संदेशखली में प्रवर्तन निदेशालय की टीम पर पांच जनवरी को हुए हमले में शामिल होने के आरोप में सीबीआई ने शनिवार को पूर्व टीएमसी नेता शाहजहां शेख के भाई सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। शाहजहां के भाई शेख अलोमगीर, संदेशखाली में टीएमसी की छात्र शाखा के अध्यक्ष मफुजर मोल्ला और सिराजुल मोल्ला को रविवार को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई ने कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर वेस्ट बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज तीन एफआईआर को अपने कब्जे में ले लिया। विस्तृत जांच के बाद एकत्रित तकनीकी साक्ष्यों के अनुसार तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

ट्रेनिंग में चोट लगने पर बाहर होने वाले कैडेटों को मिलेंगी सुविधाएं

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैन्य प्रशिक्षण के दौरान चोट लगने की वजह से चिकित्सा आधार पर बाहर कर दिये जाने वाले कैडेटों को पुनःस्थापन सुविधाएं प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है, क्योंकि कैडेट सशस्त्र बलों में अधिकारियों के रूप में शामिल होने के इरादे से कम उम्र में सैन्य अकादमियों में शामिल होते हैं और वर्दी में राष्ट्र की सेवा करने की प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

मंत्रालय का कहना है कि प्रशिक्षण के दौरान चोट लगने पर चिकित्सा आधार पर निष्कासित होना अति दुर्भाग्यपूर्ण होता है और दशकों से प्रभावित कैडेट और उनके माता-पिता ऐसे पुनःस्थापन अवसरों की मांग कर रहे हैं। हालांकि मंत्रालय ने वक्तव्य में यह स्पष्ट नहीं किया है कि इस तरह के कैडेटों को किस तरह की सुविधाएं दी जायेंगी। हर साल सैन्य अकादमियों में युवा कैडेट सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने के उद्देश्य से अकादमिक और सैन्य प्रशिक्षण से गुजरते हैं। मौजूदा नियमों के अनुसार, कैडेट को कमीशन मिलने के बाद ही अधिकारी माना जाता है।

ऐसे उदाहरण सामने आते हैं जहां सैन्य प्रशिक्षण की कठोरता के कारण कुछ कैडेट (10-20 प्रतिवर्ष) चिकित्सा आधार पर अमान्य कर दिये जाते हैं। रक्षा मंत्री ने ऐसे कैडेटों के लिए अवसरों को बढ़ाने के लिए पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के एक अन्य प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है, जिसमें पुनर्वास महानिदेशालय द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ के विस्तार की अनुमति दी गई है। इससे चिकित्सा आधार पर निष्कासित हुए 500 कैडेटों को योजनाओं का लाभ उठाने और उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसी तरह की स्थिति में भविष्य के कैडेटों को भी समान लाभ मिलेंगे।

राजस्थान में सैंकड़ों नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

जयपुर, (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रीति और नीतियों से प्रभावित होकर उनके नेतृत्व में राष्ट्रनिर्माण के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का संकल्प लेते हुए शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में विभिन्न राजनैतिक दलों से आए पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, प्रधान, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्यों के साथ सरपंच और कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा।

जनता भाजपा, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का कर रही आंकलन : सीपी जोशी

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने नेताओं को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई। भाजपा ज्वाइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड और चुनाव प्रबंधन कमेटी के संयोजक नारायण पंचारियां की उपस्थिति में पूर्व लोकसभा सांसद, पूर्व विधायक डॉ. कर्ण सिंह यादव, चूरू से पूर्व सांसद प्रत्याशी प्रताप पूनियां, पूर्व विधायक सुरेश टांक, रामलाल मेघवाल, परम नवदीप, पूखराज गर्ग, बलवान यादव, पूर्व विधायक एवं जिला प्रमुख सुशीला पलाडा, व्यवसायी भंवर सिंह पलाडा, अलवर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, विश्वजीत सिंह चंपावत, सुजानगढ आरएलपी प्रत्याशी बाबुलाल कुलदीप, भादरा से निर्दलीय प्रत्याशी बजरंग सारण, भादरा प्रधान अनिल ओलख, पूर्व प्रधान राजीव कस्वा, रामस्वरूप मील, सीकर लक्ष्मणगढ से बसपा प्रत्याशी महेश मूंड, भरतपुर नगर निगम के पूर्व उप महापौर गिरीश चौधरी, भरतपुर के पूर्व जिला प्रमुख लीलावती सिंह, कोटा विवि के पूर्व कुलपति प्रो. बीएल वर्मा के साथ कई प्रधान, सरपंच व पार्षदों ने कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

पाक में 11 साल से कैद में भारतीय

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने 11 साल पूर्व एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार कर लिया था। जिसके बाद उस भारतीय नागरिक को वापस निर्वासित करने के लिए आदेश दिए गए थे। कोर्ट आदेशों के बावजूद पाक ऐसा नहीं कर सका। इसके लिए सिंध हाई कोर्ट ने पाक गृह मंत्रालय को खूब सुनाया। कोर्ट ने चेतावनी दी कि संबंधित सचिव को यह सफाई देने के लिए बुलाया जाएगा कि उनका विभाग ऐसे मामलों में किस तरह काम कर रहा है। शनिवार को खबर दी है कि सिंध हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति मोहम्मद करीम खान आगा की एकल पीठ ने शुक्रवार को गृह मंत्रालय को मामले के तथ्यों से अच्छी तरह वाकिफ एक अधिकारी नियुक्त करने या अगली सुनवाई के दौरान अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

तैयारी के बाद दो बार टला सैनी मंत्रिमंडल

हरियाणा में 'ऑल इज नॉट वेल', विज ने तोड़ी चुप्पी

चंडीगढ़। हरियाणा में बीजेपी सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के बाद सब कुछ ठीक नहीं दिखाई दे रहा है। मनोहर लाल के इस्तीफे के बाद जब नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी तो राज्य में वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल विज शपथ ग्रहण में मौजूद नहीं रहे थे। इसके बाद पूर्व सीएम और मौजूदा सीएम नायब सैनी ने 'ऑल इज वेल' का दावा किया था, लेकिन अब पूरे मामले पर खुद अनिल विज ने चुप्पी तोड़ी है।

विज ने कहा है कि मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के बाद से किसी ने नहीं की मुझसे कोई बात, ना मुझे मनाने की कोशिश की गई। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि अंदरखाने काफी खींचतान जारी है। इसी के चलते मंत्रिमंडल का विस्तार भी टल गया। दो बार टला शपथ ग्रहण समारोहः सूत्रों की मानें तो नायब सैनी मंत्रिमंडल विस्तार दो बार टल चुका है। दूसरे बार शनिवार 16 मार्च की सुबह टला। सुबह यह चर्चा सामने आई थी आज मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। मंत्रिमंडल में फरीदाबाद की विधायक सीमा त्रिखा के अचानक चंडीगढ़ रवाना होने से अटकलें और तेज हुई थी।

छोटे मंत्रिमंडल से चलेगी सरकार

सूत्रों के अनुसार इसी के चलते सीएम नायब ने केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत की जिसके बाद उन्हें सलाह दी गई कि फिलहाल मंत्रीमंडल विस्तार के बजाय वह पहले शपथ के चुके पांच मंत्रियों में विभागों का बंटवारा कर सरकार चलाएं। मनोहर लाल के इस्तीफा देने के बाद 12 मार्च को नायब सिंह सैनी ने शपथ ग्रहण की थी। उनके साथ में पांच और मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की थी। ये सभी मनोहर लाल की सरकार में भी मंत्री थे। विज ने जिस तरह से यह बयान दिया है कि उनसे किसी ने बात नहीं की। इससे जाहिर होता है कि विज की नाराज हैं।

आज का इतिहास

- **1861:** इटली का एकीकरण हुआ।
- **1864:** प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा अधिवक्ता जोसेफ बैपटिस्टा का जन्म।
- **1920:** बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीब-उर-रहमान का जन्म।
- **1959:** धर्मगुरु दलाई लामा तिब्बत से भारत पहुंचे।
- **1962:** भारतीय अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला का जन्म।
- **1969:** गोल्डा मीर इजरायल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।
- **1987:** क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया।
- **1989:** उप्र के दो बार सीएम रहने वाले जाने माने राजनीतिज्ञ और राजनेता हेमवती नंदन बहुगुणा का निधन।

Filmi तड़का

अभिषेक को लेकर फिल्म बनाएंगे शुजित सरकार

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने निर्देशक शुजित सरकार जूनियर बी अभिषेक बच्चन को लेकर फिल्म बनाने जा रहे हैं। 'विक्की डोनर', पीकू, और'पिंक' जैसी कई सुपरहिट फिल्में बना चुके शुजित सरकार जल्द ही अपनी अगली फिल्म शुरू करने के लिए तैयार हैं।

शुजित सरकार की इस फिल्म में अभिषेक बच्चन की मुख्य भूमिका होगी। शुजित सरकार ने बताया मैं अपनी अगली फिल्म के लिए अभिषेक बच्चन के साथ काम कर रहा हूं। मेरी कहानियां हमेशा जीवन से जुड़ी होती हैं और उनमें ह्यूमर भी होता है। मैंने हमेशा जीवन की यात्रा को मुख्य विषय मानकर अलग-अलग शैलियों के साथ प्रयोग करने का प्रयास किया है। यह एक इमोशनल फिल्म है। मेरी सभी फिल्मों का लक्ष्य दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाना है।

शाहरुख-गौरी बॉलीवुड का सबसे अमीर कपल, 7000 करोड़ की नेटवर्थ

नई दिल्ली। शाहरुख खान और गौरी खान उन कपल में से एक हैं जिन पर सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं पूरी दुनिया की नजरें टिकी होती हैं। शाहरुख खान एक्टिंग की दुनिया के बादशाह हैं तो गौरी खान भी अपने बिजनेस में बेगम सा ओहदा रखती हैं। उन दोनों की नेटवर्थ उनके फैन्स की सोच से भी कहीं ज्यादा है।

कमाई और नेटवर्थ के मामले में दोनों बॉलीवुड और खेल जगत की कई पावर कपल से कहीं ज्यादा आगे हैं। चाहें विराट कोहली और अनुष्का शर्मा हों या सैफ अली खान और करीना कपूर जैसी कपल हों. इनके आगे कहीं नहीं टिकते है। शाहरुख खान और गौरी खान दोनों की नेटवर्थ मिलाकर आंकी गई है करीब 983 मिलियन यूएस डॉलर। इसे अगर भारतीय करेंसी यानी कि रुपये में देखें तो अच्छे अच्छे कपल इनके आगे फीके ही नजर आएंगे। रुपयों में ये फिगर होता है 7304 करोड़ रु. यानी कि दोनों की मिल्कियत सात हजार करोड़ रु. से भी कहीं ज्यादा है।

शाहरुख खान एक्टिंग की दुनिया में तो एक्टिव हैं ही वो फिल्म प्रोडक्शन में भी दखल रखते हैं। इसके अलावा गौरी खान का इंटीरियर डिजाइनिंग का काम है। अकेले गौरी खान की ही नेटवर्थ 220 मिलियन डॉलर के करीब आंकी गई है। एक्टिंग और फिल्मी पर्दे पर सक्रिय रहने के अलावा शाहरुख खान ब्रांड एंडोर्समेंट से भी मोटी रकम कमाते हैं।.

रेवाड़ी में बॉयलर ब्लास्ट, 100 से ज्यादा घायल

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी में शनिवार शाम को बॉयलर फटने से 100 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे कारखाने के कर्मचारी थे। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, हरियाणा के रेवाड़ी के धारूहेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्टरी में बॉयलर फटने से 100 से अधिक कर्मचारी घायल हो गए। विस्फोट में दर्जनों कर्मचारी झुलस गए और उनमें से कम से कम 30 को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। सिविल सर्जन डॉ. सुरेंद्र यादव ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि रेवाड़ी के धारूहेड़ा में एक फैक्ट्री में बॉयलर फट गया है। हमने अस्पतालों को सतर्क कर दिया है।

सहगल बने प्रसार भारती के चेयरमैन

लखनऊ। यूपी के पूर्व आईएएस अधिकारी नवनीत सहगल को प्रसार भारती का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने उनके नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। सहगल का यह कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। बसपा, सपा और भाजपा सरकार में अहम भूमिका में रहे नवनीत सहगल पिछले साल 35 वर्ष की लंबी सेवा के बाद रिटायर हुए थे। 1988 बैच के आईएएस अधिकारी नवनीत सहगल बसपा सरकार में मुख्यमंत्री मायावती के सचिव रहे।

अगर आप अपने सपनों का आशियाना खरीदने की योजना बना रहे हैं तो आप यह सोचकर कन्फ्यूज होंगे कि फ्लैट खरीदें या विला। रियल एस्टेट क्षेत्र में घरों की खरीदारी के बदलते ट्रेंड ने आपको भी यह सोचने पर मजबूर कर दिया होगा कि फ्लैट खरीदने में फायदा है या विला खरीदने में। हम आपको कुछ टिप्स दे रहे हैं जिसको पढ़ने के बाद आप की यह दुविधा खत्म हो जाएगी कि घर खरीदना बेहतर है या विला

बदल रहा है घर खरीदने का ट्रेंड

बहरहाल, पसंद आपकी है लेकिन फ्लैट के सामने प्लाट के फायदों को दरकिनार नही किया जा सकता। लेकिन मेरी समझ में आपका निवेश कहीं भी किसी भी विकल्प में आप जिस डेवलपर से संपत्ति खरीद रहे हों उसकी पृष्ठभूमि की जानकारी जरूर कर लें

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

रियल्टी सेक्टर के निवेशकों के मन में अक्सर यह सवाल जरूर उठता है कि अगर वह रिहाइशी संपत्ति में निवेश के इच्छुक हैं तो फ्लैट अथवा फ्लोर का विकल्प चुनें या फिर प्लाट खरीदकर उस पर मनचाहा आशियाना बनवाएं। यह वाजिब सवाल है। इसमें कोई दो राय नहीं कि जिस तरह प्लाट खरीदने पर न सिर्फ आप उस पर कई मंजिला इमारत बनवा सकते हैं बल्कि उस जमीन पर भी आपका पूरा अधिकार भी रहता है। हालांकि दो दशक पहले की बात करें तो महानगरों के साथ ही साथ दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में भी फ्लैट और कॉन्डोमीनियमंस की संस्कृति बहुत तेजी से फली-फूली और वर्तमान में भी फ्लैट्स खरीदने वालों की संख्या काफी ज्यादा है लेकिन फिर भी ऐसा वर्ग भी बढ़ रहा है जो विला या फिर प्लाट खरीदने में ज्यादा रुचि दिखा रहा है। वैसे आपको कौन सा विकल्प अधिक पंसद है यह तो स्वयं आप पर ही निर्भर करता है लेकिन इसमें भी कोई दो राय नहीं कि जहां फ्लैट रिर्टन की गारंटी देता है तो वहीं प्लाट लंबी रेस का घोड़ा साबित होता है। इसके पीछे कुछ खास वजहें भी हैं, आइये जानते हैं।

कैसे करें तुलना

घर की खरीद हो या विला की इसे आप निम्न मानकों के आधार पर माप सकते हैं। इन मानकों में मुख्य रूप से संपत्ति के साथ मिलने वाली सुविधाएं, फाइनेंस, मेन्टेनेंस और रिसेल वैल्यू शामिल हैं। अगर हम सुविधाओं की बात करें तो हम देखेंगे कि फ्लैट में कई तरह की आधुनिक सुविधाएं पहले से मौजूद होती हैं और इनके लिए आप से मासिक तौर पर कुछ शुल्क भी वसूला जाता है। जैसे सिक्योरिटी का शुल्क, पावर बैकअप का शुल्क, पार्क या कम्युनिटी सेंटर अथवा जिम का शुल्क इत्यादि। जबकि विला में आप सारी सुविधाएं खुद अपने पैसे से व्यवस्थित करते हैं अतः इसमें आपको हर माह कुछ भी शुल्क नहीं देना होता है। इसके अलावा फ्लैट खरीदने पर बैंक डेवलपर की गुडविल को देखते हुए अधिकतम रकम लोन के रूप में फाइनेंस कर देते हैं जबकि विला में लोन की रकम कम अप्रूव होती है।

शुल्कों के बारे में करें जानकारी

संपत्ति की कीमत के साथ ही विभिन्न शुल्क जैसे कि ईडीसी, पीएलसी के लिए क्या आपको अतिरिक्त राशि तो नहीं चुकानी होगी और संपत्ति के लिए भुगतान के तरीके क्या होंगे उस संबंध में बुकिंग के समय पर बात कर लेना बेहतर रहेगा ताकि आपका निवेश सुरक्षित रहे।

मुनाफे का सौदा

अर्थशास्त्र का एक नियम है, 'हाई रिस्क हाई गेन' यानी आपके निवेश में जहां जोखिम ज्यादा होगा वहां आपको मिलने वाला मुनाफा भी अधिक होगा। इसे हम रियल्टी सेक्टर से जोड़कर देखें तो मौजूदा समय में फ्लैट की तुलना में प्लॉट की कीमत अधिक है। ऐसे में प्लाट के लिए आपको अधिक धन का निवेश करना होगा लेकिन भविष्य में आपके मुनाफे का अनुपात भी इस लिहाज से अधिक रहेगा। ऐसे में यदि आप कम समय में बढ़िया मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो उसके लिए अपार्टमेंट बढ़िया आप्शन हो सकता है, लेकिन यदि आप लंबे समय को ध्यान में रख कर पैसा लगाना चाहता है तो प्लाट का विकल्प बेहतर है।

मांग में इजाफा

रियल एस्टेट एसेट क्लास में गुड़गांव, नोएडा और गाजियाबाद जैसे शहरों पर नजर डालें तो यहां प्लाट्स के विकल्प और ऐसी परियोजनाओं को निवेशक हाथों-हाथ ले रहे हैं। इसकी एक वजह मैं ऐसी परियोजनाओं के विकल्प की न्यूनता भी मानता हूं। इसके अलावा पर्यटन और धार्मिक महत्व के शहरों में भी निवेशक प्लाट खरीदना अधिक पसंद करने लगे हैं।

कम जोखिम

प्लाट लेने का एक फायदा यह भी होता है कि इसमें अपार्टमेंट की तुलना में प्रोजक्ट के लेट होने और दूसरे जोखिम कम होते हैं। प्लाट खरीदने वालों को बिल्डर पर डिलीवरी के लिए निर्भर नहीं होना पड़ता है। एक डेवलपर बस प्लाट के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराता है। मालिक के पास उसे अपनी इच्छा से बनाने का अधिकार होता है।

पसंद की आजादी

अपार्टमेंट की तरह प्लाट खरीदने वालों को डिलीवरी के लिए डेवलपर्स का मुंह नहीं ताकना पड़ता है। एक डेवलपर को बस जमीन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना होता है। जमीन हमेशा बढ़ने वाली संपत्ति है और मालिक के पास उसमें बदलाव करने का पूरा अधिकार होता है जबकि अपार्टमेंट मालिकों के पास ये सुविधा नहीं होती है।

फायदे अपने-अपने

बहरहाल, पसंद आपकी है लेकिन फ्लैट के सामने प्लाट के फायदों को दरकिनार नही किया जा सकता। लेकिन मेरी समझ में आपका निवेश कहीं भी किसी भी विकल्प में आप जिस डेवलपर से संपत्ति खरीद रहे हों उसकी पृष्ठभूमि की जानकारी जरूर कर लें। इसके बाद जहां वह परियोजना विकसित हो रही हो उस क्षेत्र की होने वाले विकास की संभावनाओं पर भी गौर करें। साथ ही डिवेलपर को सभी कागजी कार्यवाही भी पूरी कर लें।

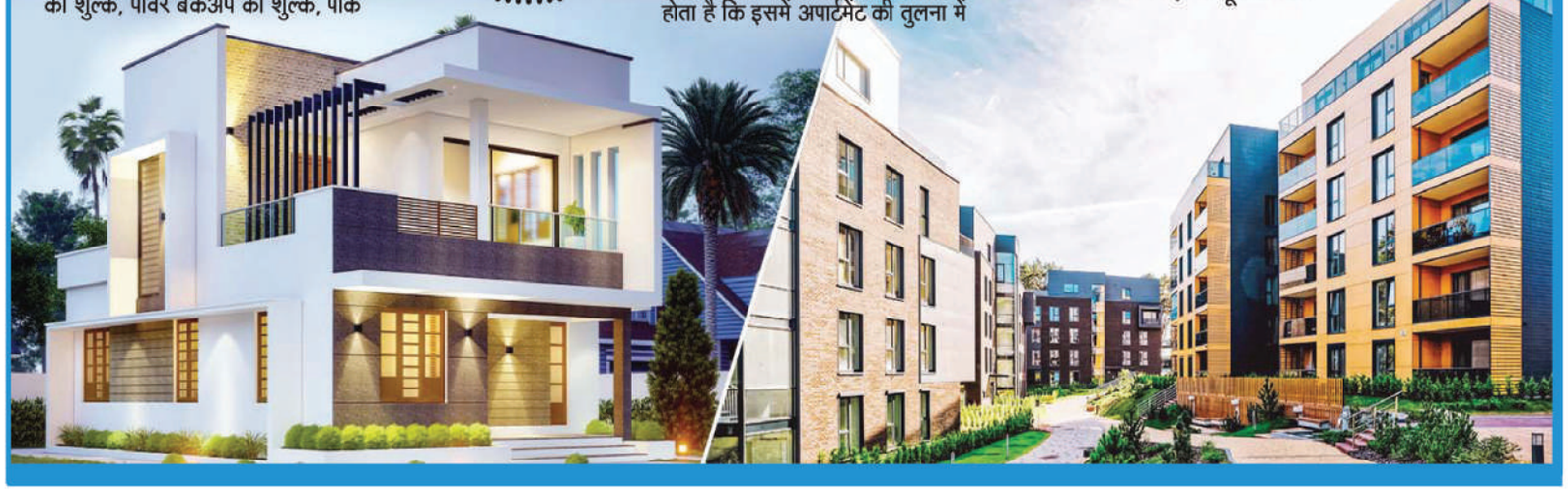

31 मार्च तक कर छूट हासिल करने का मौका

वित्त वर्ष 2023-24 अब समाप्ति की तरफ अग्रसर है। 31 मार्च 2024 को इस वित्त वर्ष का अंतिम दिन है। अगर आप नौकरीपेशा हैं और आपने वित्त वर्ष की शुरुआत में आपने अपने निवेश व खर्च से संबंधित कोई घोषणा पत्र अपने नियोक्ता को दिया था और आप अपनी घोषणा के अनुरूप निवेश नहीं कर पाए हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपके पास अब भी मौका है आप 31 मार्च से पहले निवेश करके उसके दस्तावेज की छायाप्रति अपने नियोक्ता को दे सकते हैं ताकि आपके वेतन में कर कटौती के वक्त आपको संबंधित निवेश पर कर छूट हासिल हो सके। आज हम आपको कुछ ऐसे वित्तीय उत्पादों के बारे में बताएंगे जिनमें निवेश करके आप कर छूट हासिल कर सकते हैं।

अगर आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं और आपने वित्त वर्ष की शुरुआत में आपने अपने संभावित निवेश से संबंधित कोई घोषणा पत्र अपने नियोक्ता को दिया था तो अब समय आ गया है कि आप उक्त निवेश से संबंधित दस्तावेज अपने नियोक्ता को उपलब्ध करा दें अन्यथा आपके नियोक्ता द्वारा आपके पूर्ण वेतन में से कर कटौती कर ली जाएगी। अगर आपने अभी तक निवेश नहीं किया है तो हम आपको कुछ वित्तीय उत्पादों के बारे में बता रहे हैं जिनमें निवेश करके आप कर छूट हासिल कर सकते हैं। आप 31 मार्च से पहले इन उत्पादों में निवेश करके उससे जुड़े कागजात अपने नियोक्ता को अवश्य दे दें

पीपीएफ में निवेश अच्छा विकल्प

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) में निवेश भी एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। आप किसी भी बैंक में पीपीएफ अकाउंट खोलकर उसमें अधिकतम डेढ़ लाख रुपये तक की जमा राशि पर कर छूट हासिल कर सकते हैं। इस योजना में आपको 7.1 फीसद की दर से ब्याज भी मिलेगा। लंबी अवधि में यह निवेश आपको करोड़पति भी बना सकता है। उदाहरण के तौर पर अगर आप इस योजना में अधिकतम धनराशि यानी 1.50 रुपये सालाना या 12500 रुपये महीने निवेश करते हैं तो आपको 25 साल में एक करोड़ रुपये से भी ज्यादा रकम मिल सकती है। वहीं अगर आप 20 साल के लिये इसमें निवेश करेंगे तो आपको 65 लाख रुपये से भी ज्यादा धनराशि मिलेगी। वैसे इस योजना में प्रत्येक तिमाही में ब्याज दरें कम ज्यादा होती रहती हैं इसलिये आपका रिटर्न भी कम ज्यादा हो सकता है लेकिन ब्याज दरों में चूंकि बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं होता इसलिये आपको करोड़पति बनने से कोई नहीं रोक सकता। अगर आपने अभी अपनी नौकरी की शुरुआत ही की है तो आपको इस योजना में निवेश करने में ज्यादा फायदा है। पीपीएफ में निवेश छूट की ईईई कैटेगरी के अंतर्गत आता है। इसका मतलब यह है कि रिटर्न, मैच्योरिटी राशि और ब्याज से होने वाली आय यानी सभी पर कर छूट मिलती है।

एनएससी में भी कर सकते हैं निवेश

डाकघर में में मिलने वाले नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट यानी एनएससी में निवेश करके भी आप इनकम टैक्स में छूट क्लेम कर सकते हैं। इस योजना में फिलहाल 7.7 फीसद की दर से ब्याज मिल रहा है। कम से कम एक हजार रुपये की राशि से आप एनएससी खाता खुलवा सकते हैं। इसमें निवेश की अधिकतम सीमा नहीं रखी गई है। इसमें निवेश की गणना सालाना आधार पर की जाती है।

टाइम डिपाजिट में करें निवेश

जिस तरह बैंकों में फिक्स्ड डिपाजिट स्कीम्स होती हैं उसी तरह डाकघरों में टाइम डिपाजिट स्कीम भी चलाई जाती है। इस योजना में एक निश्चित अवधि के लिए एकमुश्त धनराशि निवेश करके अच्छा रिटर्न हासिल किया जा सकता है। इसमें ब्याज दर 6.9 फीसद से लेकर 7.5 फीसद तक हो सकती है। निवेश में कर छूट का फायदा पांच साल की अवधि के लिए निवेश करने पर मिलता है। इस योजना में कम से कम एक हजार रुपये की राशि से निवेश किया जा सकता है।

सुकन्या समृद्धि योजना भी है लोकप्रिय

सुकन्या समृद्धि योजना निवेशकों में काफी लोकप्रिय रही है। इस योजना के तहत किसी बच्ची का खाता उसे जन्म से लेकर दस साल तक की उम्र के बीच खोला जा सकता है। खाते की शुरुआत सिर्फ ढाई सौ रुपये से की जा सकती है। इस योजना में ब्याज दर शुरू से ही आकर्षक रखी गई है। योजना के तहत 8.2 फीसद की दर से ब्याज मिल रहा है। यह ब्याज बैंकों के फिक्स्ड डिपाजिट से कहीं ज्यादा है। इस योजना में अधिकतम डेढ़ लाख रुपये सालाना जमा कराए जा सकते हैं।

सीनियर सिटीजन्स सेविंग्स स्कीम

अगर आप वरिष्ठ नागरिक हैं तो आपके लिए सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम एक अच्छी योजना साबित हो सकती है। योजना के तहत सालाना 8.2 फीसद ब्याज दिया जा रहा है। वैसे तो यह योजना 60 साल या इससे बाद की आयु वालों के लिए है लेकिन अगर कोई व्यक्ति 55 साल की आयु में वीआरएस ले लेता है तो वह भी इस योजना में निवेश कर सकता है। इस योजना में अधिकतम 30 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। स्कीम के तहत 5 साल के लिए पैसा निवेश किया जा सकता है और परिपक्वता अवधि के बाद इसे तीन साल का विस्तार भी दिया जा सकता है। **(बिजनेस डेस्क)**

किसे देना होता है एडवांस टैक्स

अग्रिम टैक्स जमा करने की अंतिम तिथि यानी 15 मार्च निकल चुकी है। अगर आपने अपना अग्रिम टैक्स जमा नहीं किया है तो आपको ब्याज के रूप में अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है। आइए समझते हैं कि अग्रिम कर यानी एडवांस टैक्स क्या है, यह किन लोगों या संस्थाओं को देना पड़ता है और अग्रिम टैक्स अदा करने में विफल रहने पर क्या होता है

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

एडवांस टैक्स अर्थात अग्रिम कर से तात्पर्य यह है कि कोई भी आयकरदाता वित्त वर्ष की समाप्ति पर एकमुश्त कर का भुगतान करने के बजाए प्रत्येक तिमाही कर का भुगतान कर सकता है। अग्रिम कर भुगतान की परिकल्पना इस आधार पर शुरू की गई है कि इससे किसी भी करदाता पर एकमुश्त कर अदा करने का बोझ न पड़े और सरकार को भी अपने खर्च चलाने के लिए मिलने वाला कर राजस्व पूरे साल मिलता रहे। अग्रिम कर के भुगतान के लिए सरकार ने कुछ नियम बना रखे हैं। अगर आप उन नियमों के दायरे में आते हैं तो आपको अग्रिम कर का भुगतान करना होगा। आइए यह जानने की कोशिश करते हैं कि अग्रिम कर की अदायगी किसके लिए जरूरी है, किसको इस नियम से छूट मिली हुई है और समय पर अग्रिम कर जमा न किए जाने पर कितनी पेनाल्टी का भुगतान करना होता है।

किसे देना होता है एडवांस टैक्स

अगर किसी व्यक्ति या संस्था की सालाना कर देनदारी 10 हजार रुपये या इससे ज्यादा बन रही है तो उसे अग्रिम टैक्स जमा करना लाजिमी है। अग्रिम टैक्स देने वालों में वेतनभोगी के अलावा अन्य कोई भी व्यक्ति, अपना बिजनेस चलाने वाला व्यक्ति, प्रोफेशनल जैसे डाक्टर, इंजीनियर और सीए इत्यादि को शामिल किया गया है। इसके अलावा ऐसी कारपोरेट संस्थाएं व साझेदारी फर्म एवं एलएलपी जिनकी सालाना आयकर देयता 10 हजार रुपये या इससे ज्यादा बनती है तो उनको भी अग्रिम टैक्स देना होता है। इसके अतिरिक्त अनिवासी व्यक्ति और भारत में आय अर्जित करने वाली विदेशी कंपनियां अग्रिम कर कानून के दायरे में हैं। अगर उनकी कर देनदारी 10 हजार रुपये की सीमा से ज्यादा है तो उनको भी अग्रिम कर का भुगतान करना होता है। साथ ही अचल संपत्ति, शेयर या अन्य निवेश उत्पादों की बिक्री से किसी व्यक्ति को पूंजीगत लाभ पर कर देनदारी 10 हजार रुपये से ज्यादा होती है तो उसे भी अग्रिम करदाता की श्रेणी में रखा गया है। यहां यह बताना भी जरूरी है कि लाटरी या घुड़दौड़ में मिले इनाम पर अगर कर देयता 10 हजार रुपये की सीमा से ज्यादा है तो ऐसे मामलों में भी अग्रिम कर की अदायगी करनी ही होगी।

किसी मिली है छूट

आयकर कानून के तहत कई ऐसी भी श्रेणियां हैं जिन्हें अग्रिम कर अदा करने वालों की सूची के दायरे से बाहर रखा गया है। इसमें 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के ऐसे लोगों जिनके पास किसी कारोबार या नौकरी से किसी प्रकार की आय नहीं है। सिर्फ पेंशन इत्यादि से ही उनका जीवनयापन होता है तो ऐसे लोगों को अग्रिम कर का भुगतान करने से छूट दी गई है। इसके अलावा जिन लोगों की कुल आय कर योग्य सीमा से ज्यादा नहीं है, उन्हें भी अग्रिम कर का भुगतान करने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा कृषि गतिविधियों से होने वाली आय में भी अग्रिम कर भुगतान की कोई जरूरत नहीं होती। नियमों के अनुसार कमीशन या ब्रोकरेज आय अर्जित करने वाले लोगों को ऐसी कमाई पर अग्रिम कर का भुगतान से छूट मिली हुई है। इसके अलावा कुछ प्रोफेशनल्स को भी अग्रिम कर भुगतान से छूट मिली हुई है। यह छूट धारा 44 एडीए के तहत मिलती है। इसमें चिकित्सा, कानून और अभियांत्रिकी क्षेत्र से जुड़े पेशेवर शामिल हैं। अगर कोई कारोबारी अनुमानित कराधान प्रावधानों के अनुसार टैक्स जमा करना चाहता है तो उसे भी अग्रिम कर से छूट मिलती है। जबकि पूंजीगत लाभ से आय अर्जित करने वाले ऐसे करदाता जो अपना आयकर रिटर्न दाखिल करते समय पूरी कर देनदारी का भुगतान करने का विकल्प चुनते हैं उन्हें भी अग्रिम टैक्स से छूट मिल जाती है। अगर हम वेतनभोगी व्यक्तियों की बात करें तो वेतनभोगी व्यक्ति के नियोक्ता उनके वेतन से टीडीएस पहले ही काट लेते हैं इसलिये वेतनभोगी व्यक्ति को भी इसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। लाभांश आय प्राप्त करने वाले लोगों को भी इन नियमों से छूट मिली हुई है।

कब जमा करना होता है अग्रिम कर

आयकर विभाग ने कंपनियों और व्यक्तिगत आयकरदाताओं के लिए अग्रिम कर भुगतान की निश्चित तिथि तय कर रखी है। इन तारीखों में 15 जून, 15 सितम्बर, 15 दिसम्बर और 15 मार्च शामिल हैं। इसके तहत 15 जून तक अग्रिम कर देनदारी का 15 फीसद हिस्सा जमा करना होता है। जबकि 15 सितम्बर तक अग्रिम कर देनदारी का 45 फीसद, 15 दिसम्बर को कुल अग्रिम कर देनदारी का 75 फीसद और 15 मार्च तक कुल कर देनदारी का 100 फीसद टैक्स अग्रिम टैक्स के रूप में देना होता है। इसमें प्रत्येक तिमाही में वह रकम घटाई जा सकती है जो पूर्व की तिमाही में अदा कर दी गई है।

कैसे होती है अग्रिम टैक्स की गणना

वैसे तो अग्रिम कर जमा करने के लिए किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट की मदद लोग लेते हैं लेकिन अगर आप खुद अपने अग्रिम टैक्स की गणना करना चाहते हैं तो सबसे पहले आप पूरे वित्त वर्ष के दौरान सभी स्रोतों से होने वाली अनुमानित आय की गणना करें। इसके बाद आपको कर देनदारी के तहत जो छूट मिलती हों उस छूट की रकम को कुल देनदारी में से घटा दें। इसके बाद आप अपने कर की अदायगी के लिए चुने गए टैक्स सिस्टम के अनुसार अपना टैक्स स्वयं निकाल सकते हैं।

अग्रिम कर न देने पर लगता है ब्याज

अगर कोई व्यक्ति या संस्था अपना अग्रिम कर अदा करने में विफल रही। अर्थात उसने वित्त वर्ष की समाप्ति तक कम से कम अग्रिम कर की 90 फीसद राशि जमा नहीं की तो उसे तिमाही के लिए एक फीसद की दर से ब्याज देना होगा।

लोस चुनाव के बावजूद भारत में ही खेला जाएगा आईपीएल का पूरा सीजन

बीसीसीआई सचिव जय शाह का यूएई में मुकाबले कराने से इंकार, 22 मार्च को पहला मैच

● नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग-2024 का पूरा सीजन भारत में खेला जाएगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शनिवार को लीग के कुछ मुकाबले यूएई में कराए जाने की खबरों का खंडन करते हुए कहा है कि इसे विदेश में नहीं कराया जाएगा।

कुछ रिपोर्ट्स में भारतीय लीग के कुछ मुकाबले लोकसभा चुनाव के कारण यूएई में कराने का दावा किया जा रहा था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड जल्द ही पूरा शेड्यूल जारी कर सकता है। बोर्ड ने 23 दिन पहले फेज-1 का शेड्यूल जारी कर किया था, जो 22 मार्च से 7 अप्रैल तक चलेगा।

इससे पूर्व एक बीसीसीआई अधिकारी ने कहा था कि कुछ फ्रेंचाइजी बैकअप ऑप्शन के तौर पर यूएई को देख रही हैं। इसलिए वे खिलाड़ियों से पासपोर्ट भी मांग कर रही हैं। फ्रेंचाइजी अपने स्तर पर बैकअप के रूप में खिलाड़ियों से पासपोर्ट मांग रही हैं। बोर्ड उन्हें ऐसा करने से रोक भी नहीं सकता। जहां तक अधिकारियों के यूएई जाने की बात है तो वे आईसीसी मीटिंग के लिए वहां गए थे, जो गुरुवार और शुक्रवार को हुई।

पहले फेज में 21 मैच खेले जाएंगे

17वें सीजन का पहला फेज 22 मार्च से 7 अप्रैल के बीच खेला जाएगा। इस दौरान 17 दिन में 21 मैच खेले जाएंगे, इनमें 4 डबल हेडर (एक दिन में दो मुकाबले) शामिल होंगे। ओपनिंग मैच 22 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच चेपॉक स्टेडियम में खेला जाएगा।

2014 और 2009 में भी विदेश में हुआ था टूर्नामेंट

यह पहला मौका नहीं है, जब आम चुनाव के कारण भारतीय लीग का शेड्यूल प्रभावित हो रहा है। इससे पहले 2019, 2014 और 2009 के सीजन में भी चुनाव को ध्यान में रखते हुए शेड्यूल जारी किया गया था। 2019 में चुनाव के बाद टूर्नामेंट भारत में आयोजित किया गया था, जबकि, 2014 का आधा एडिशन यूएई में खेला गया। वहीं, 2009 में पूरा आईपीएल ही साउथ अफ्रीका में आयोजित कराया गया।

मीडिया रिपोर्ट में दावा, यूएई में हो सकता है दूसरा फेज

दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि आईपीएल का दूसरा फेज यूएई में हो सकता है। इसके लिए दो तर्क दिए जा रहे हैं।

पहला- बीसीसीआई के अधिकारियों का दुबई दौरा: मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आईपीएल के दूसरे फेज को दुबई में कराने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इसके लिए बीसीसीआई अधिकारी दुबई गए हैं। वहीं इस सप्ताह आईसीसी की मीटिंग भी दुबई में हो रही है।

दूसरा- फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों से पासपोर्ट मांगे: रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि कुछ आईपीएल फ्रेंचाइजी ने अपने खिलाड़ियों से पासपोर्ट मांगे हैं। ताकि दूसरा फेज देश से बाहर हो तो खिलाड़ियों को वीजा दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

सरकार नहीं चाहती कि देश के बाहर हो आईपीएल

आईपीएल को भारत में कराने को लेकर यह तर्क भी दिया जा रहा है कि वर्तमान सरकार नहीं चाहती है कि आईपीएल किसी भी हालत में भारत के बाहर हो, क्योंकि 2014 में जब लोकसभा चुनाव की वजह से इसे बाहर शिफ्ट किया गया था, तब विपक्ष में रही भाजपा सरकार ने उस समय की कांग्रेस सरकार की आलोचना की थी और कहा था कि सरकार लोकसभा चुनाव और आईपीएल एक साथ कराने में सक्षम नहीं है। भाजपा ने कांग्रेसी सरकार के प्रशासनिक क्षमता पर सवाल उठाए थे। चूंकि इस बार सत्ता में भाजपा की सरकार है।

वूमेन्स हॉस्टल में जाते हुए पकड़े गए भारतीय वेटलिफ्टर अचिंता

ओलंपिक खेलने का टूटा सपना, कैम्प से बाहर

● नई दिल्ली

भारतीय वेटलिफ्टर अचिंता शिउली को पेरिस ओलंपिक 2024 की तैयारी के लिए लगाए गए कैम्प से बाहर कर दिया गया है। अचिंता शिउली को एनआईएस पटियाला के महिला हॉस्टल में रात में प्रवेश करते हुए पकड़ा गया, जिसके बाद उन पर ये एक्शन हुआ है।

अचिंता ने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में नए रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के एक अधिकारी ने कहा, इस तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अचिंता को तुरंत शिविर से जाने के लिए कहा गया। इसके साथ ही अचिंता की पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीदें भी खत्म हो गईं।

अचिंता इस महीने थाईलैंड के फुकेट में आईडब्ल्यूएफ विश्वकप नहीं खेल सकेंगे, जो पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन के लिए अनिवार्य था। यह घटना बृहस्पतिवार रात की है। 22 वर्षीय अचिंता को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा और उनका वीडियो भी बनाया। भारतीय खेल प्राधिकरण और एनआईएस पटियाला के कार्यकारी निदेशक विनीत कुमार को तुरंत इसकी जानकारी दी गई। इसका वीडियो साक्ष्य मौजूद होने से साइ ने जांच पैनल का गठन नहीं किया। पटियाला में लड़के और लड़कियों के लिए अलग हॉस्टल है। इस समय महिला मुक्केबाज, एथलीट और पहलवान एनआईएस पटियाला में है।

▶ महिला प्रीमियर लीग 2024 : फाइनल शाम 7 .30 बजे से

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी के बीच आज होगी खिताबी जंग

● नई दिल्ली

गत चैंपियन मुबंई को हरा कर महिला प्रीमियर लीग 2024 के फाइनल में पहुंचने वाली रायल चैंलेजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का मुकाबला रविवार को दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

दिल्ली की टीम 12 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए खिताबी मुकाबले में पहुंची है, वहीं स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी ने दो सीजन में पहली बार नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया है। इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने 25 रनों से जीत दर्ज की थी, जबकि दूसरे लीग मैच में दिल्ली ने आरसीबी को एक रन से हराया था। ऐसे में आरसीबी के लिए फाइनल में दिल्ली की चुनौती आसान नहीं होगी। वहीं, आरसीबी ने पिछले दो मैचों में लगातार डिफेंडिंग चैंपियन रही मुंबई इंडियंस को शिकस्त दी है और शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है। ऐसे में दिल्ली के लिए भी आरसीबी को हराना इतना आसान नहीं होगा। अरुण जेटली स्टेडियम पर अब तक खेले गए दस मैचों में से सात में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने जीत हासिल की है। पहली पारी का औसत स्कोर 158.6 रहा है, जबकि रन चेज करने वाली टीम ने अधिकतम 191 रन बनाए हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाला कप्तान पहले बल्लेबाजी चुनते हुए विपक्षी टीम पर दबाव बना सकता है। दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच चार मैच खेले गए हैं, जिनमे से सभी में दिल्ली के खाते में जीत गई है।

सुनील गावस्कर बोले- रणजी प्लेयर्स की फीस 3 गुना बढ़े

● नई दिल्ली

एक मैच के मिलते हैं 2.40 लाख, चैंपियन मुंबई ने जीती 5 करोड़ रुपए प्राइज मनी

पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को रणजी मैच की फीस बढ़ाने का सुझाव दिया है। गावस्कर ने अपने फाउंडेशन चैंप्स की 25वीं वर्षगांव पर बीसीसीआई की टेस्ट क्रिकेट इंसेंटिव स्कीम की तारीफ की। इस स्कीम के तह टेस्ट खिलाड़ियों को एक टेस्ट मैच के लिए 45 लाख रुपए तक मिल सकते हैं।

गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई को रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लेने वाले क्रिकेटरों की फीस तीन गुना करने की कोशिश करनी चाहिए। इससे जो खिलाड़ी अलग-अलग कारण बताकर रणजी ट्रॉफी में खेलने से किनारा करते हैं, वो ऐसा करना बंद कर देंगे। पिछले साल, बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दी थी। हालांकि, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) की घोषणा के बाद मुंबई को अतिरिक्त 5 करोड़ रुपये मिलेंगे। मुंबई ने हाल ही में वानखेड़े स्टेडियम में विदर्भ को 169 रनों से हराकर 42वीं बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता। रणजी की बात की जाए तो प्लेयर्स को रणजी में प्रति दिन के हिसाब से 40 से 60 हजार रुपए मिलते हैं।

महिला हॉकी : यूपी, बंगाल, दिल्ली ने जीते मुकाबले

पुणे। 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के चौथे दिन शनिवार को उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी बंगाल, दिल्ली हॉकी और छत्तीसगढ़ हॉकी अपने-अपने मैचों में विजयी रहीं। मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम पिंपरी, पुणे में उत्तर प्रदेश हॉकी ने पूल-सी मुकाबले में हॉकी आंध्र प्रदेश को 11-2 से हराकर अभियान की अपनी पहली जीत हासिल की। दोपहर बाद पूल-एच मुकाबले में हॉकी बंगाल ने हॉकी तेलंगाना के खिलाफ 11-0 की शानदार जीत हासिल की। दिल्ली हॉकी ने पूल-बी मुकाबले में केरल हॉकी के खिलाफ 4-1 से जीत दर्ज की। पूल-ए मुकाबले में छत्तीसगढ़ हॉकी ने हॉकी बिहार को 2-0 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की।

रामबाबू ने रेस वॉक में जीता कांस्य, पेरिस ओलंपिक का भी कटाया टिकट

दुदिंस (स्लोवाकिया)। दुदिंस्का 2024 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शनिवार को भारत के राम बाबू ने पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया और साथ ही पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग मानक को पूरा किया। 24 वर्षीय बाबू ने इस इवेंट के लिए निर्धारित पेरिस ओलंपिक क्वालीफाइंग मानक 1:21:10 को पूरा करने के लिए एक घंटे और 20 मिनट (1:20:00) का समय लिया। पेरू के सीजर ऑगस्टो रॉड्रिगेज ने 1:19:41 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि इक्वाडोर के ब्रायन डैनियल पिंटाडो ने 1:19:44 के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। बाबू ने दुदिंस्का 50 में एक नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड भी दर्ज किया। 20 किमी रेस वॉक कैटेगरी में उनका पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 1:21:04 था, जो उन्होंने इस साल जनवरी में चंडीगढ़ में 2024 दक्षिण एशियाई और भारतीय रेस वॉकिंग चैंपियनशिप में बनाया गया था। एशियन गेम्स के कांस्य पदक विजेता राम बाबू पेरिस 2024 ओलंपिक क्वालीफाइंग मानक को तोड़ने वाले सातवें भारतीय रेस वॉकर हैं।

जयपुरिया कनपुरिया बनी सुपर जाइंट्स कप की विजेता

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) प्रबंधन की ओर से आयोजित सुपर जाइंट्स कप गली क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब कानपुर की जयपुरिया कनपुरिया जाइंट्स टीम ने जीत लिया। शनिवार को इकाना स्टेडियम के बी ग्राउंड में आयोजित इस टूर्नामेंट में जयपुरिया कनपुरिया जाइंट्स ने लखनऊ की फियरलेस फाल्कंस टीम को 27 रन से हराया। एलएसजी के सीईओ कर्नल विनोद बिष्ट व डिप्टी सीईओ सत्यम त्रिवेदी ने विजेता व उप विजेता टीमों और खिलाड़ियों को सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं। जयपुरिया कनपुरिया जाइंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात ओवर में 149 रन बनाए, जिसके जबाव में लखनऊ की फियरलेस फाल्कंस टीम महज 122 रन ही बना सकी। विजेता टीम को सुपर जाइंट्स कप के साथ ही 40 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।

पाकिस्तान को लगा झटका, शेन वॉटसन ने ठुकराया करोड़ों का ऑफर

● नई दिल्ली

अब आईपीएल में करेंगे कमेंट्री

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से मिले ऑफर को अस्वीकार कर दिया है। पीसीबी चाहता था कि वॉटसन सीमित ओवर्स क्रिकेट में पाकिस्तान टीम के हेड कोच बनें। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वॉटसन को पीसीबी ने सालाना 2 मिलियन डॉलर (लगभग 16.57 करोड़ रुपये) की पेशकश की थी। यदि शेन वॉटसन पाकिस्तानी टीम के कोच बनते तो उन्हें अन्य भूमिकाओं से हटना होता। बता दें कि वॉटसन ने इंडियन प्रीमियर लीग में कमेंट्री डील की हुई है। वह आगामी आईपीएल सीजन में भी कमेंट्री कर सकते हैं। ऐसे में वॉटसन ने कोचिंग और कमेंट्री प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने का फैसला किया है। वॉटसन क्वेटा ग्लैडिएटर्स, सैन फ्र ांसिस्को यूनिकॉर्न के साथ बतौर कोच भी जुड़े हुए हैं।

पहली डिस्ट्रिक्ट लीग फुटबॉल आज से

भोपाल,(खेल संवाददाता)। जिला फुटबॉल संघ रायसेन के तत्वावधान में दशहरा मैदान मंडीदीप में जिला स्तरीय इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता रविवार से प्रारंभ हो रही है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला इंडियन वुमंस लीग बडवानी एफसी और बिल्डप एसपी रायसेन के बीच खेला जाएगा। प्रतियोगिता शुभारंभ शाम 4.30 बजे मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ के सचिव अमित रंजन देव करेंगे। इस मौके पर समिति संरक्षक राजेंद्र अग्रवाल, धनंजय प्रताप सिंह, राजीव अग्रवाल, अजीत सिंह चौहान अध्यक्ष हिन्दू उत्सव समिति, आयोजन समिति के अध्यक्ष गौरव दीक्षित, उपाध्यक्ष अनिल शुक्ला, शिबू नायर, मनीष शर्मा व दिनेश डांगी मौजूद रहेंगे। यह जानकारी आयोजन सचिव परम अशावर ने दी है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूल व क्लबों के खिलाड़ी अपना खेल कौशल दिखाएंगे।

सौम्या सेंट्रल जोन सीनियर महिला टीम में चयनित

भोपाल,(खेल संवाददाता)। अरेरा क्रिकेट अकादमी की सौम्या तिवारी का चयन सेंट्रल जोन (मल्टी डेज) सीनियर महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए हुआ है। ऑल इंडिया इंटर जोन टूर्नामेंट पुणे में 28 मार्च से खेला जाएगा। सौम्या तिवारी मध्य प्रदेश की सीनियर महिला टीम से खेल रही थीं। सौम्या पहली बार सेंट्रल जोन मल्टी डेज के लिए चयनित हुई है। उल्लेखनीय है कि अंडर-19 गर्ल्स इंडिया टीम से विश्वकप विजेता टीम की महत्वपूर्ण सदस्य रही हैं और अंडर-19 गर्ल्स चैलेंजर ट्रॉफी और न्यूजीलैंड के इंडिया टूर में उपकप्तान भी रहीं। सौम्या तिवारी अरेरा क्रिकेट अकादमी में शुरू से लेकर अभी तक प्रशिक्षण ले रही हैं। सौम्या के चयनित होने पर अकादमी के सभी खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों ने बधाइयां देते हुए बेहतर प्रदर्शन के शुभकामनाएं दी।

लक्ष्य ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

बर्मिंघम। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में पूर्व चैंपियन मलेशिया के ली जी जिया को रोमांचक मुकाबले में हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। एक घंटा दस मिनट चले मैच में लक्ष्य सेन ने अपने दृढ़ संकल्प और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 10वीं रैंकिंग वाले मलेशियाई खिलाड़ी को 20-22, 21-16, 21-19 से हराया। इस जीत ने न केवल पुरुष एकल सेमीफाइनल में उनकी जगह पक्की कर दी, बल्कि दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी के खिलाफ उनके आमने-सामने के रिकॉर्ड को भी 4-1 से बेहतर कर दिया। पिछले टूर्नामेंटों में सात बार पहले दौर में बाहर होने के बावजूद लक्ष्य ने पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था।

बेंगलुरु टॉरपीडोज ने मुंबई मीटियोज को दी शिकस्त

● चेन्नई

रूपे प्राइम वॉलीबॉल लीग सीजन-3

बेंगलुरु टॉरपीडोज ने शनिवार को यहां रूपे प्राइम वॉलीबॉल लीग के तीसरे सीजन के करो या मरो वाले सुपर-5 के मैच में मुंबई मीटियोज को 15-13, 16-14, 15-10 से हरा दिया। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में जिष्णु के ब्लॉक की बदौलत बेंगलुरु टॉरपीडोज की टीम ने मैच की शुरुआत में ही बढ़त हासिल कर ली। वहीं, मुंबई मीटियोज ने अमित गुलिया के अटैकिंग के जरिए डिफेंस में बेहतरीन काम किया। लेकिन दोनों टीमों की ओर से सर्व में गलतियां देखने को मिली और इससे मैच बराबरी पर बनी हुई थी। कोच डेविड ली की जोखिम भरी सुपर सर्व कॉल ने टॉरपीडोज को बढ़त लेने का मौका दे दिया।

स्ट्रगल स्टोरी भारतीय युवा क्रिकेटर सरफराज खान ने बताई अपनी स्ट्रगल स्टोरी

प्लॉट पर सोया, घर नहीं जाता था, बहुत मुश्किलें देखीं ...

● नई दिल्ली

घरेलू क्रिकेट में धूम मचाने के बाद सरफराज खान को एक लंबे इंतजार के बाद भारतीय टीम में हाल में संपन्न इंग्लैंड सीरीज में डेब्यू करने का मौका मिला था। सरफराज ने भी मिले मौके को नहीं गंवाया और धमाकेदार प्रदर्शन किया। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में पहुंचे सरफराज ने इस दौरान अपने मुश्किल दिनों को याद किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता (नौशाद खान) कैसे उनके साथ डटे रहे।

सरफराज ने क्रिकेट के अपने शुरुआती दिनों के बारे में कहा- मैं जब छोटा था गर्मियों की छुट्टियों में पूरे दिन ग्राउंड पर ही रहता था। मैं तब प्लॉट पर ही सो जाता था, क्योंकि घर जाने के लिए लेट हो जाता था। सुबह पांच बजे फिर आना होता था, उसके बाद पूरे दिन प्रैक्टिस, फिर शाम को मैच खेलता था। सरफराज ने कहा कि शुरुआत से वो ग्राउंड पर रहे हैं, खुद विकेट (पिच) भी बनाई है।

माली (गार्डनर) लोगों के साथ वो रहे हैं। क्रिकेट में जब उन्होंने प्रोग्रेस की तो डैडी (नौशाद खान) हमेशा उनके साथ रहे। सरफराज बोले- यह बात मैंने आजतक कभी नहीं बताई। मेरे पिता ट्रैक पैन्ट का काम करते थे, तो उसकी पूरी जम्बो थैली (पॉलीथीन) बाइक आगे रखते थे, मैं पीछे रहता था। फिर हम दोनों बारिश में भीगकर मैदान तक जाते थे। 26 साल के सरफराज खान बोले- मैं इतनी मुश्किल से यहां आया हूं, कई चीजें देखी हैं, तो ये सारी चीजें देखकर मैं ग्राउंडेड ही रहता हूं। इस दौरान कॉन्क्लेव में ध्रुव जुरेल और सरफराज खान से जब आईपीएल (टी20) के ग्लैमर और टेस्ट क्रिकेट की तुलना पर सवाल पूछा गया।

इस पर सरफराज ने कहा, मैं तो बचपन से ही सुनता आया था, टेस्ट क्रिकेट को ही असली क्रिकेट माना जाता है। अब्बू (नौशाद खान) भी यही कहते थे कि टेस्ट मैच खेलना है, जब हाल में मैं खेला तो समझ आया कि असली क्रिकेट टेस्ट मैच ही है। सरफराज खान ने कहा दोनों ही क्रिकेट में अलग तरह की मेहनत करनी चाहती हैं, जब व्हाइट बॉल क्रिकेट (टी20 और वनडे) आ रहा है तो उसके लिए अलग मेहनत लगती है। वहीं टेस्ट मैच में अलग तरह की मेहनत करनी होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी प्रैक्टिस पर निर्भर होता है।

ऐसा रहा था सरफराज खान का टेस्ट डेब्यू

सरफराज खान ने राजकोट के मैदान पर 15 फरवरी को डेब्यू किया। अपने टेस्ट डेब्यू पर उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। सरफराज ने पहली पारी में शानदार 62 रन बनाए, पर वह बदकिस्मती से रनआउट हो गए। दूसरी पारी में भी सरफराज ने यादगार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 68 रनों की पारी खेली। सरफराज ऐसे चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं, जिन्हें डेब्यू टेस्ट मैच के दौरान दोनों ही पारियों में 50+ स्कोर किए। सरफराज से पहले दिलावर हुसैन, सुनील गावस्कर और श्रेयस अय्यर ही ऐसा कर पाए थे, फिर सरफराज ने रांची टेस्ट मैच में 56 रनों की पारी खेली थी। सरफराज ने इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू टेस्ट सीरीज में 200 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 50 का रहा।

तभी सुरक्षित रहेगी धरती जब इसे मानेंगे जीवित इंसान

हम में से अधिकांश लोग ग्लोबल वार्मिंग, पॉल्यूशन और क्लाइमेंट चेंज के बारे में जानते हैं लेकिन इसे रोकने के लिए अपने स्तर पर भी पहल नहीं करते। इसका मूल कारण यही है कि हम धरती को निर्जीव मानते हैं, इसीलिए इस पर अत्याचार करते रहते हैं। लेकिन हालात अब ऐसे हो गए हैं कि हम सबको धरती को इंसान मानते हुए पूरी संवेदनशीलता से बर्ताव करना होगा, तभी आने वाले समय में धरती रहने लायक बचेगी।

कवर स्टोरी / नयनतारा

अगर दिनों-दिन गहराती ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से हम सब को निपटना है और दिन पर दिन बेतहाशा बढ़ रही गर्मी पर लगाम लगानी है तो वक्त आ गया है कि पृथ्वी को एक जीवित इंसान की तरह माना जाए और उसके साथ वैसा ही बर्ताव किया जाए। बीते 1 मार्च 2024 को केन्या की राजधानी नैरोबी में संपन्न हुई संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के छठवें संस्करण में जो एक मंत्री स्तरीय घोषणा पर सहमति हुई है, उसमें मूल सहमति यूं तो 17 संकल्पों और निर्णयों पर हुई है, लेकिन सबका सार यही है कि वक्त आ गया है कि अब हम धरती को जीवित इंसान मानें।

अब लापरवाही होगी खतरनाक

दुनिया भर के पर्यावरणविद इस बात को बड़ी गहराई से समझ रहे हैं कि धरती में चारों तरफ जिस तरह रसायनों और कूड़े-कचरे का साम्राज्य है, अब हमें उसके प्रति बिना देर किए चिंतित होना पड़ेगा। यही नहीं चिंता का विषय जरूरत से ज्यादा खाद्यान्न और चीजों का बेतहाशा उपभोग भी है। अगर धरती के लोग अपनी इस लालची प्रवृत्ति को नहीं छोड़ेंगे तो तमाम कोशिशों के बाद भी धरती के बिगड़ते पर्यावरण को रोक पाना संभव नहीं होगा। इसलिए 182 देशों के 7000 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने जिनमें 170 से अधिक मंत्री थे, इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अब धरती को जीवित इंसान मानकर बर्ताव किया जाए। इस सभा में शिरकत करने वालों ने साफतौर पर कहा कि टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ा देने से लेकर रसायनों और अपशिष्ट पदार्थों, रेत और धूल भरी आंधियों के सक्षम प्रबंधन पर अब बिना देर किए जुट जाना होगा ताकि धरती जो पहले से ही जीने के लायक नहीं रही, उसे और बदहाल होने से बचाया जा सके।

खत्म करना होगा उपभोग असंतुलन

गौरतलब है कि दुनिया में इस समय जितनी आबादी है, उसके लिए आवश्यक उपभोग के कई गुना ज्यादा चीजों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें भी बड़ी विडंबना यह है कि कुछ लोग जरूरत से कई गुना ज्यादा चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं और बाकी लोग जरूरत से कम चीजें पा रहे हैं। मतलब यह कि इतना ज्यादा उपभोग किया जा रहा है कि एक तरफ धरती का सीना फटा जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ दुनिया के दो तिहाई लोग या तो भूखे रहते हैं या अपनी भूख से कम भोजन पा रहे हैं। यह स्थिति अच्छी नहीं है। यह असंतुलन धरती को और ज्यादा नरक बना रहा है। इसलिए एक तरफ जहां पर्यावरणविदों का मानना है कि अत्यधिक खपत पर लगाम लगे, वहीं दूसरी तरफ इस बात पर भी जोर दिया जा रहा है कि उपभोग के लिए लोगों के बीच बेहतर वितरण की व्यवस्था हो। कुछ लोगों को कम और कुछ लोगों को बहुत ज्यादा ना मिले। हालांकि उपभोग में संतुलन करना इतना जटिल सवाल है कि इसका समाधान खोजना काफी कठिन है। लेकिन इस बात में कोई दो राय नहीं है कि जब तक संसाधनों के उपभोग में संतुलन स्थापित नहीं होगा, तब तक धरती के संरक्षण की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सकते हैं।

सिर्फ बातों से नहीं होगा समाधान

केन्या में आयोजित यूएनईए-6 में जो विस्तृत और गंभीर विमर्श हुआ है, उससे साबित होता है कि धरती के लोग अब धरती की पीड़ा का वास्तविकता में एहसास करने लगे हैं। लेकिन यह बात सच तब मानी जाएगी, जब दुनिया को इस गहरे संकट से बचाने के लिए लोग वास्तव में काम करते दिखेंगे, सिर्फ बातें नहीं करेंगे। साल 2012 में अपने स्थापना के बाद से यूएनईए-6 ने पहली बार इतने स्पष्ट और निर्णायक बात कही है। हालांकि कोई ऐसा सम्मेलन, कोई ऐसी बैठक नहीं होती, जब धरती के पर्यावरण को लेकर चिंता ना व्यक्त की जाती हो। लेकिन जिस तरह से इस बार पूरी स्पष्टता के साथ चीजों को रखा गया है और आर या पार के अंदाज में लोगों से फैसला करने को कहा गया है, वह इसके पहले कभी नहीं हुआ। अगर अब भी चीजें नहीं बदलती तो बहुत डरावनी स्थिति पैदा हो सकती है।

अमीर देश निभाएं अपनी भूमिका

वास्तव में यूएनईए-6 की जारी रिपोर्ट में इस बात को भी स्पष्ट किया गया है कि धनी देश, कम आय वाले देशों की तुलना में एक, दो नहीं बल्कि 6 गुना से ज्यादा संसाधनों का उपभोग करते हैं और दुनिया में पर्यावरण पर जितना नकारात्मक असर होता है, उसमें गरीब देशों के मुकाबले 10 गुना ज्यादा भूमिका अमीर देशों की होती है। इसलिए यूएनईए-6 यह मानती है कि रईस देशों और उनके ज्यादा से ज्यादा उपभोगवादी लोगों को पर्यावरण के बचाव में बाकी लोगों के मुकाबले ज्यादा भूमिका निभानी चाहिए। लेकिन यही वह मोड़ है, जहां सारी बात उलट जाती है, क्योंकि बाकी किसी क्षेत्र में बराबरी का समर्थन ना करने वाले अमीर देश, धरती के बिगड़ते पर्यावरण को बचाने के लिए सभी देशों की बराबर की भूमिका चाहते हैं। इसका स्पष्ट कारण यह है कि कोई भी अमीर देश अपने हितों, प्रगति और विलासिता में ना कमी करना चाहता है और ना उससे कोई समझौता करना चाहता है। इसी वजह से ऊर्जा उपभोग हो या तकनीक का बेशुमार उपयोग विकसित देश कोई कमी नहीं करना चाहते हैं। सवाल यह है कि इस मतभेद का हल कब और कैसे निकलेगा? जब तक इसका हल नहीं निकलेगा, धरती पर संकट बढ़ता रहेगा। *

यूएनईए-6 में किया गया आगाह

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की कार्यकारी निदेशक इंगर एंडरसन ने यूएनईए-6 सभा के समापन सत्र को संबोधित करते हुए माना कि बेहतर कल के लिए दुनिया द्वारा की जाने वाली कार्यवाही, उसकी गति, उसकी वास्तविकता और उसके स्थायी परिवर्तन में जरूरी बदलाव की आवश्यकता है। कहने का मतलब है कि जिन योजनाओं पर बात हो, उन पर वाकई काम भी हो, जिस रफ्तार की जरूरत है, उस रफ्तार से काम हो और हकीकत में यह सब हो ताकि परिवर्तन संभव बने, सिर्फ बातों से कुछ नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन को धीमा करने, प्रकृति और धरती को राहत देने, प्रदूषण मुक्त दुनिया बनाने के लिए तभी हकीकत में कुछ होगा, जब सिर्फ मजबूत इरादे ही ना व्यक्त किए जाएं बल्कि उन पर मजबूत अमल भी किया जाए। संयुक्त राष्ट्र उपमहासचिव आमिना जे. मोहम्मद ने दुनिया से बड़ा सवाल पूछा, 'एक ऐसे समय में जब दुनिया प्रदूषण, जैव विविधता के संकट और जलवायु परिवर्तन के कहर से गुजर रही है, तब भी अगर हम धरती को बचाने के लिए अपने प्रयासों में गति और ईमानदारी नहीं लाएंगे, तो फिर यह सब कब करेंगे?' *

विशेषः विश्व गौरैया दिवस, 20 मार्च

आ री चिरैया...

अब घरों के आंगन में नन्ही गौरैया की चहचहाहट सुनाई नहीं पड़ती। सुबह-सवेरे से देर शाम तक उनकी आवाज से जीवंतता बनी रहती थी। चिरैया की गुंजार से महरूम घर-आंगन वीरान से लगते हैं। कहां खो गई वो चिरैया...

अनुभूति / डॉ. सुधा मौर्य

आज शहर में चारों ओर चर्चा है कि
लुप्त हो गई है गौरैयों की प्रजाति
हां, शहर में कहां आएं और चहकें गौरैयां
न मकानों में आंगन रहे
न आस-पास पेड़-पौधे (रामदरश मिश्र)

प्रकृति के प्रत्येक स्पंदन में जीवन है, ललक है, उल्लास है। फिर वह चाहे कल-कल निनादित सरिता हो, पवन की मनभावन लीला, पत्तों की सरसराहट या पक्षियों का उन्मुक्त कलरव। प्रकृति सदैव से ही मानव जीवन को गति, लय प्रदान कर उसे सकर्मक उत्साह से युक्त करती रहती है। इनमें लघुकाय नन्ही गौरैया भी मानव के जीवन में अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है। वह हमारे घर-आंगन-मुंडेर पर फुदकती अपनी 'चहचहाती' उजली हंसी से घर को ऊर्जस्वित करती है। फसलों में लगने वाले कीटों का भक्षण करके फसलों के लिए सुरक्षा कवच बनती है। ग्रामों में गृहों की भीतों पर चावल के आटे, सिंदूर, हल्दी से उकेरे गए उनके मनोहर मंजुल चित्र हमारे गृह की शांति, समृद्धि एवं शुभता के प्रतीक रहे हैं। वे अपनी मधुरिम गुंजार स्वर लहरी द्वारा जागरण गीत गाकर हमें सजग करती हैं। *इस घर के आले में रहती है। चिड़िया और उसके दो बच्चे। वे जगाते हैं हमें काम पर जाने के लिए। (ब्रजेश कृष्ण)*

अस्तित्व के लिए संघर्षरत

आज मानव की स्वार्थी प्रवृत्ति ने गौरैया को अपनी ही मातृभूमि से बेदखल कर दिया है। अब शहरों में उग आए कंक्रीट के जंगलों में उनके लिए स्थान ही नहीं बचा है। घर-आंगन में उल्लास बिखेरने वाली वह छोटी-सी गौरैया, आज मानव के पर्यावरण के प्रति असंवेदनशील व्यवहार के कारण अस्तित्व संकट से जूझती हुई कदाचित यही सोचती होगी-

चिड़िया उड़ती हुई कहीं से आई। बहुत देर तक इधर-उधर भटकती हुई। अपना घोंसला खोजती रही। फिर थक कर एक जली हुई डाल पर बैठ गई। और सोचने लगी। आज जंगल में कोई आदमी आया था क्या? (रामदरश मिश्र)

नहीं सुनाई देती उनकी चहक

आज फसलों के अधिकाधिक उत्पादन के लिए कीटनाशकों के अत्यधिक छिड़काव, मोबाइल फोन से निकलने वाली तरंगों के विकिरण और आहार श्रृंखला में छोटे कीटों के नष्ट होने से गौरैया भी विलुप्त हो रही है। इसीलिए अब संकटग्रस्त जंतुओं की श्रेणी में सम्मिलित गौरैया की चहचहाहट बहुधा सुनाई नहीं देती है। हम इंसानों के लिए स्वयं की सुरक्षा के निमित्त भी यह चिंता का विषय ही है, क्योंकि-

इस पृथ्वी की रक्षा मानव का अपना कर्तव्य है। इसकी वनस्पतियां, चिड़िया और जीव-जंतु। उसके सहयात्री हैं, इसी तरह जलवायु और सारा आकाश। अपनी-अपनी रक्षा मानव से चाहते हैं। (त्रिलोचन)

ताकि बची रहे गौरैया

पृथ्वी की उसी झंकृत प्रफुल्लता को पुनः वापस लाने के लिए 20 मार्च को 'विश्व गौरैया दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस संकटग्रस्त गौरैया को बचाने के निमित्त है ताकि मानव जीवन, उसका घर-आंगन-द्वार आनंदमय एवं स्वच्छता से परिपूर्ण हो। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय एवं व्यक्तिगत स्तर पर संपूर्ण विश्व में इस संबंध में जागरूकता अभियान चला कर गौरैया को उनके घास-फूस के घोंसले में रक्षित करने की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है और वह दिन दूर नहीं जब घर-घर की यह 'खुशी' गौरैया पुनः पूर्ण प्राण प्रवेग से चहकेगी। हर ओर उसकी कलरव गूंजेगी।

जैसे बहन 'दा' कहती है। ऐसे किसी बंगले के किसी तरु (अशोक) पर। कोई चिड़िया कुऊकी।
(रघुवीर सहाय)

बस करना यह है कि उनके लिए अपने घर-आंगन के आस-पास पेड़-पौधे लगाएं। मुट्ठी भर अनाज और खाली बर्तन में स्वच्छ पानी देकर उनको बचाने की मुहिम में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। ताकि हमारे घरों में गौरैया की चहक कभी बंद ना हो।

चहचहाती चंद चिड़ियों का। बसर था पेड़ पर। मेरे घर इक पेड़ था और। एक घर था पेड़ पर। (सज्जाद बलूच)

कहने का अर्थ है कि यदि हम *चिड़ियों* के साथ हिल-मिल जाएं तो वे हमारी सहचर बनकर हमारे घर-आंगन में उत्साह-हर्ष की चहचहाहट गुंजारित करेंगी और गौरैया के लिए मानव की यही लघुत्तम संवेदनशीलता ही विश्व गौरैया दिवस के प्रति उनकी सच्ची संकल्पशक्ति का बोधक है। अंततः कामना यही है-

अरे चिड़िया, तुम बोलो बारंबार गांव में
घर में घाट में वन में।
पत्थर हो चुके
आदमी के मन में। (एकांत श्रीवास्तव) *

कविता
पावनी पांडे

मिली-जुली महक

इक उलझन
आन खड़ी हुई
बगीचे से होकर
गुजरती
तितली
के मन में
यह महक
गुलाब की
वह चंपा
और चमेली की
किसको आगोश में लूं
किसको छोड़ दूं?
इसी बीच बगीचे से
गुजरती हवा
हर सोच-विचार
का झंझट छोड़कर,
सभी खुशबुओं को
अपने आंचल में
समेट लेती है
दूर एक कैक्टस को
भेंट कर आती है
बगीचे की
मिली-जुली महक।

लघुकथाएं

मॉडर्न महिला

उसके परिधान बेहद खूबसूरत, लेटेस्ट डिजाइन के थे। गले का नेकलेस और कान में झुमके भी कीमती थे। उसकी केश-सज्जा बहुत अलग अंदाज की थी। हाथ में किसी बड़े ब्रांड का हैंडबैग था। ये सभी बातें उसे एक अमीर और मॉडर्न महिला बता रही थीं। इस शादी में वह बतौर मेहमान आमंत्रित थी। शादी को खूब एंज्वॉय करके समारोह स्थल से बाहर आकर उसने घर लौटने के लिए अपने कार ड्राइवर को फोन किया और सड़क पर खड़े होकर इंतजार करने लगी।

तभी कोई मांगने वाली गुजरी। उसकी तीन साल की बेटी ने कौतुहल से उसके परिधान को स्पर्श भर कर लिया, उस मॉडर्न महिला ने तुरंत बच्ची को आग्नेय नेत्रों से देखा। बच्ची सहम कर अपनी मां के पीछे दौड़ी। एकाएक कुछ मेहमान सामने से आ गए। एक उस जैसी मॉडर्न महिला के महाजिद्दी बच्चे ने पहले अपने हाथ से उस महिला का पल्लू खींचा फिर अपने दांतों में दबाया। उसकी सैंडल पर पैर भी मारा। इतना ही नहीं, जाते-जाते उसको चिढ़ाता भी गया। उस मॉडर्न महिला ने तुरंत अपना रंग बदला, बोली, 'लवली बेबी..! क्यूट बेबी...! ओहो... बाय-बाय!' *

- हरीशचंद्र पांडे

घोंसला

मैं शाम को दफ्तर से लौटकर आऊं, यह चिड़िया का घोंसला मुझे नहीं दिखना चाहिए, समझे।' रवि बाबू अपने बेटे पर बरसे।

'पापा चिड़िया के घोंसले में छोटे-छोटे अंडे हैं। अभी कैसे घोंसले को बाहर फेंक सकते हैं। कुछ दिन इंतजार कर लेते हैं। बच्चे उड़ने लायक हो जाएंगे तो घोंसले को हटा देंगे।' बेटे ने विनती की। उसी समय सामने वाले पड़ोसी निर्मल जी आ गए, बोले, 'अरे रवि बाबू, कैसे बच्चे पर गुस्सा रहे हैं?' 'कुछ नहीं, निर्मल भाई। आप बताओ थैला लेकर कहां जा रहे हैं?' रवि बाबू ने बात बदलते हुए पूछा। 'बस अगले चौराहे तक जा रहा हूं। कुछ दाना-पानी की व्यवस्था करने।' निर्मल जी ने जवाब दिया। रवि बाबू ने उत्सुकता से पूछा, 'दाना-पानी?' 'हां भाई दाना-पानी। दरअसल, एक चिड़िया ने घर में घोंसला बना लिया है। उसमें उसके दो-चार बच्चे भी हैं। बस उनके दाने के लिए एक मिट्टी का बर्तन और पानी के लिए परिंडा लेने जा रहा हूं। बेचारी नन्ही-सी जान कहां दाना-पानी के लिए भटकती फिरेगी?' निर्मल जी ने बताया। रवि बाबू बेटे की तरफ देखते हुए तुरंत बोले, 'बेटा आज तुम भी दाने-पानी के लिए बर्तन ले आना।' 'जी पापा..!' बेटा मुस्कुराते हुए बोला। *

-गोविंद भारद्वाज

फर्क

क्यों जी, आजकल अपने शहर में सफाई अभियान कुछ ज्यादा नहीं चल रहा है? मधु अपने पति प्रभाकर से बोली। 'तुम्हें पता नहीं है क्या? पेपर नहीं पढ़तीं? अपने शहर में प्रवासी भारतीयों का सम्मेलन होने वाला है। इससे अपने प्रदेश और शहर में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। ये लोग यहां इंवेस्ट जो करेंगे।' प्रभाकर हर्ष के साथ बोले। 'पता है मुझे। देश-दुनिया की जानकारी मैं भी रखती हूं। ऐसी भी क्या साफ-सफाई, जिसमें गरीबों को परेशान किया जाए, उनका सफाया कर दिया जाए। जगह-जगह झुग्गी-झोपड़ियां और गुमटियां-ठेले हटा दिए जाएं। पता नहीं गरीबों के घर उजाड़कर, रोजी-रोटी छीनकर कौन-सा नया रोजगार लाया जा रहा है?' मधु आक्रोश के साथ बोली। 'वो क्या है ना भाग्यवान, हमारे घर जब मेहमान आते हैं तो उन पर अपना प्रभाव जमाने के लिए हम अपने घर की साफ-सफाई करते हैं, उसे अच्छी तरह सजाते हैं। इस दौरान हमें जो भी फालतू और गंदी चीजें दिखती हैं, उसे हम हटा देते हैं। बस वही समझ लो, प्रवासी भारतीयों के सामने अपनी छवि अच्छी रहे, इसलिए शहर का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इस काम में जो भी बीच में आएगा, उसे हटाया ही जाएगा।' प्रभाकर ऐंठे स्वर में बोले। 'तो क्या सामान और इंसान में कोई फर्क नहीं?' मधु ने प्रभाकर से तुरंत सवाल किया। उनके पास कोई जवाब नहीं था। *

-शीला श्रीवास्तव

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

हिंदी की चिंता

वरिष्ठ कवि, आलोचक ओम निश्चल गंभीर भाषाविद् भी हैं। हिंदी भाषा की सामाजिक स्थिति और उसकी स्वीकार्यता को लेकर वे निरंतर विचारशील लेख लिखते रहते हैं। ऐसे ही कुछ निबंधों का संकलन 'हिंदी का समाज-समाज की संस्कृति' पुस्तक के रूप में कुछ समय पूर्व आया है। वे अगर लिखते हैं, 'हमारा समाज लगभग भाषाहीन समाज है।' तो इसमें हिंदी भाषा को लेकर उनकी पीड़ा और चिंता दोनों झलकती है। खास बात यह है कि वे केवल चिंता नहीं करते, पुस्तक के कई लेखों में वे स्वाधीनता से पूर्व और उसके बाद के भारतीय समाज की मानसिकता की पड़ताल करते हैं, जिसने हमें हिंदी भाषा के प्रति इतना उदासीन बना दिया। वे उन कारणों की भी शिनाख्त करते हैं, जिनकी वजह से हिंदी देश की राजभाषा तो बन गई पर राष्ट्रभाषा नहीं बन सकी। केवल कारण ही नहीं लेखक ने कुछ लेखों में ऐसे सुझाव भी दिए हैं, जिन पर अमल करके हिंदी को उसके गौरवमयी स्थान पर प्रतिष्ठित किया जा सकता है। महात्मा गांधी और प्रख्यात आलोचक रामविलास शर्मा के हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति से प्रेम पर भी लेखक ने विस्तार से चर्चा की है। कहना न होगा कि पुस्तक के सभी लेख न केवल पठनीय बल्कि विचारणीय भी हैं। *

पुस्तकः हिंदी का समाज-समाज की संस्कृति (निबंध संग्रह), **लेखकः** ओम निश्चल, **मूल्यः** 450 रुपए, **प्रकाशकः** सर्वभाषा प्रकाशन,

किसानों,नौजवानों के दुख दर्द के प्रति भाजपा संवेदनहीन : गोपाल यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को समाजवादी पार्टी एक अतिआवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता मे लोकसभा चुनाव की तैयारी के सम्बन्ध में पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर आयोजित हुई। बैठक में चुनाव जीतने की बनायी गयी रणनीति और पार्टी को जिताने का लिया गया संकल्प। सभी वक्ताओं ने कहा हम सब होंगे फिर कामयाब । इस बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने सभी कार्यकर्ताओ से चुनाव की तैयारी में तन मन से जुटने का आह्वान किया और कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए तानाशाही भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकना ही हम सबका संकल्प। उन्होंने कहा कि इस देश का गरीब,नौजवान, महिला और किसान भाजपा सरकार की जनविरोधी एवं तानाशाही कदमों के चलते अत्यंत दुखी है।गरीब,नौजवान, महिला और किसान को अपनी चार बिरादरियां बताने वाले मोदी जी को इनके दुख तकलीफों से कुछ भी लेना देना नही है। नौकरी न मिलने की दशा में इस देश का नौजवान अपनी डिग्रियां फूंक आत्महत्या करने को मजबूर है।खराब कानून व्यवस्था के चलते लगातार बढ़ रही रही दुष्कर्म की घटनाओं की वजह से मां बेटियों का घर से निकलना दूभर हो गया है। किसान एम एस पी की मांग को लेकर सड़कों पर हैं। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा भी भाजपा सरकार का जुमला ही साबित हुआ है। बल्कि बिजली एवं खाद का दाम बढ़ने की वजह से किसानों की फसलों का लागत मूल्य और बढ़ गया है। लगातार बढ़ती मंहगाई के चलते गरीब खून के आंसू रो रहा है। उसका चुल्हा जलना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद यह सरकार विकसित इंडिया,शाइनिंग इंडिया का खोखला नारा दे रही है।यह सरकार केवल अपने पूंजीपति मित्रों की खिदमत में व्यस्त है। इस सरकार की बिदाई ही किसान, नौजवान, महिला और गरीबों के हित में हैं। इस बैठक को संबोधित करते हुए सांसद अफजाल अंसारी ने कहा कि भाजपा सरकार की साम्प्रदायिक सोच के चलते देश की संस्कृति और सभ्यता खतरे में हैं। विविधता में एकता की वजह से दुनिया में हम जाने पहचाने जाते हैं लेकिन भाजपा सरकार की मजहबी सोच समझ और दकियानूसी विचारों के चलते यह पहचान भी संकट में हैं।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव हम सबके लिए चुनौती है। हम सबके समक्ष लोकतंत्र और संविधान को बचाने की चुनौती है।यदि हम उनकी साजिश से नहीं बचे तो यह लोकतंत्र का अंतिम चुनाव होगा।यह चुनाव तय करेगा कि इस देश में लोकतंत्र कायम रहेगा कि नहीं। यदि आप चाहते हो कि इस देश में लोकतंत्र,देश का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप, गरीबों को मिलने वाला सामाजिक न्याय, देश का सामाजिक और साम्प्रदायिक सद्भाव कायम रहें तो इस देशसे भाजपा सरकार को हर कीमत पर बेदखल करना होगा। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा अपने ऊपर किये गये जुल्मों सितम की चर्चा करते हुए कहा कि मेरी कोई खता नही है गरीबों के सम्मान की रक्षा करना ही मेरा कसूर रहा है । इसी बात की सजा दे रही है भाजपा सरकार । उन्होंने कहा कि भाजपा को इस चुनाव में बेरोजगार नौजवानों और किसानों के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। किसान और नौजवान चुनाव का इंतजार कर रहा है । उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ का कारोबार करती है। हम सबको जनता के बीच जाकर इनके झूठ का पदार्फाश करने की जरूरत है। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए विधायक जै किशन साहू ने कहा कि भाजपा अम्बेडकर जी के संविधान को खत्म करना चाहती है। भाजपा का नैतिक पतन होने के कारण देश में आज लोकतंत्र मृत्युशैय्या पर है। भाजपा सरकार ने लगातार नौजवानों और किसानों के साथ धोखा किया है। भाजपा सरकार के पेपर लीक कारोबार के चलते नौजवानों का भविष्य अंधेरे में हैं। भाजपा नौजवानों को नौकरी देना नही चाहती इसलिए पेपर लीक की साजिश रचती है। उन्होंने कहा कि दंभपूर्ण बोल, आचरण और वादाखिलाफी के चलते जनता भाजपा का साथ छोड़ चुकी है। आज की तारीख में पीडीए तबके के साथ साथ परी जनता समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी है। भाजपा सरकार का जुल्म लगातार बढ़ता जा रहा है। न उसे लोकतांत्रिक मान्यताओं का ख्याल है और न ही संवैधानिक मयार्दाओं का। उनके जुल्म और दमन से प्रदेश का नौजवान, किसान, छात्र, व्यापारी सभी आक्रोशित हैं। समाजवादी पार्टी उनके जुल्म और दमन का डटकर मुकाबला करेंगी। लगातार बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी,भ्रष्टाचार से उपजे जनाक्रोश के चलते धर्म की आड़ में छिप रही है भाजपा सरकार। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का बेरोजगार नौजवान रोजगार न मिलने के चलते अपनी डिग्रियाँ फूंक रहा है और आत्महत्या कर रहा है। लेकिन भाजपा सरकार को न हया है न लाज। इस सरकार के अंदर न नैतिकता है न संवेदना।

इस स्वागत समारोह में मुख्य रूप से पुर्व विधान परिषद सदस्य विजय यादव, पूर्व विधायक उमाशंकर कुशवाहा, पुर्व विधायक त्रिवेणी राम, पुर्व जिलाध्यक्ष डॉ नन्हकू यादव, पुर्व जिलाध्यक्ष रामधारी यादव, राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशवाहा, रविन्द्र प्रताप यादव, अरुण कुमार श्रीवास्तव, शम्भू यादव अकेला,रामजन्म चौहान, मुन्नी लाल राजभर, मुन्नन यादव, सुभाष यादव, तहसीन अहमद, राजेन्द्र यादव, कमलेश यादव, अवधेश यादव उर्फ राजू यादव, डॉ समीर सिंह, दिनेश यादव, अमित ठाकुर, अक्षय यादव, अभिषेक कुशवाहा, खेदन यादव, कमलेश यादव, हरेन्द्र विश्वकर्मा, प्रमोद यादव, पूजा गौतम, यमुना यादव, नरसिंह यादव, तौकीर खां, भरत यादव, राजेन्द्र यादव, रामविजय यादव, रीता विश्वकर्मा, विभा पाल, अभिनव सिंह रहे।

अनैतिक देह व्यापार मामले में दो को मिली जमानत

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। अनैतिक देह व्यापार कराने के मामले में दो आरोपितों को कोर्ट से राहत मिल गई` प्रभारी जिला जज अनिल कुमार पंचम की अदालत ने भुल्लनपुर, मंडुआडीह निवासी आरोपित सागर सेठ व खजुरी, पांडेयपुर निवासी आरोपित योगेश सिंह को 50-50 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया` अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, कृष्णा यादव ईलू व गिरजा शंकर यादव ने पक्ष रखा` अभियोजन पक्ष के अनुसार तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक भेलूपुर रामकांत दूबे 30 मई 2023 को क्षेत्र में गश्त कर रहे थे उसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि तुलसीपुर, महमूरगंज में स्थित एक मकान में अनैतिक देह व्यापार चल रहा है` सूचना पर पुलिस जब मौके पर पहुंची और अंदर प्रवेश किया तो वहां अंदर बने कई कमरों में तीन-चार महिलाएं आपत्ति जनक स्थिति में थी वहीं कमरों में दो डिब्बा कंडोम, गर्भ निरोधक, सिगरेट, माचिस, शराब, तीन मोबाइल व 6300 रुपए इत्यादि सामान बरामद हुए` पूछताछ में

महिलाओं ने अपना नाम नसरीन उर्फ शालू, खुशबू, पूजा व सरिता देवी बताया उन्होंने बताया कि उन लोगों को लालू उर्फ मनोज जायसवाल व सरिता देवी ने वेश्यावृत्ति के लिए बुलाया है वहां तीन लड़के और भी थे, जो बाद में चले गए जिनका नाम योगेश सिंह, सागर सेठ व विकास यादव था इस मामले में पिछले दिनों दोनों आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

समानता पार्टी ने विनोद कुमार शर्मा पर जताई अपनी उम्मीद

प्रखर वाराणसी। लोकसभा चुनाव मे समानता पार्टी के अध्यक्ष डॉ वीके बहुगुणा ने अटैक आन करप्शन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा को उत्तराखंड के पौड़ी-गढ़वाल से लोकसभा चुनाव टिकट की घोषणा की टिकट घोषणा होते ही जिले एवं अटैक ओं करप्शन के सदस्यों में हर्ष का माहौल रहा उत्तराखंड सामानता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने 14 मार्च को आयोजित अपनी बैठक में श्री विनोद कुमार शर्मा, पौड़ी गढ़वाल से एवम श्री बलवीर सिंह भंडारी टिहरी गढ़वाल से लोकसभा सीटों पर चुनावी लड़ने के लिए आमंत्रित किया गयो अटैक आन करप्शन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि समानता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हम पर जो विश्वास जताया है उसके लिए मै खरा उतरूंगा लेकिन मैं अभी

चुनाव लड़ने के फैसले को कुछ समय के लिए स्थिर रखूंगा क्योंकि मेरे चुनाव लड़ने का फैसला अटैक आन करप्शन के सम्मिलित साथी सदस्यों पर मै छोड़ता हू जब से उनकी अनुमति नहीं आती है तब तक मेरा कोई फैसला नहीं होगा क्योंकि अटैक आन करप्शन के सदस्य एवं पदाधिकारी ही हमारे परिवार हैं और बिना परिवार से पूछे हम कोई फैसला नहीं लेंगे विनोद कुमार शर्मा ने अपने सदस्यों के साथ एक कार्यकारी बैठक बुलाई जिसमे सम्मिलित हुए अटैक आन करप्शन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज कुमार सागर, राष्ट्रीय संयोजक विपिन त्यागी, शिवकुमार, डॉ बी पी सिंह, डॉक्टर हितेश जी , रणधीर प्रसाद जी, सत्यपाल जी ,इत्यादि लोगो सम्लित हुए।

विपक्ष कर रहा नाकाम कोशिश, उप्र से नहीं मिलेगी एक भी सीट : स्वाती सिंह

प्रखर लखनऊ । सिर्फ घर में रहकर सोशल मीडिया से प्रचार करने वाला जनता का दर्द कैसे समझ सकता है। उसको जनता की सेवा से मतलब नहीं, सिर्फ उसको लोकसभा और विधानसभा में अपनी पार्टी की सीटें जीतनी चाहिए और जीत के बाद अपने देश और प्रदेश का नहीं, अपने घर की भलाई में बजट को समर्पित कर देना है। ऐसे दल के नेता आज भारत के विकास के लिए दिन-रात एक कर देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। यह सब जनता समझ रही है। ये बातें पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कही। वे सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा सोशल मीडिया पर लिखे गये, ह्रभाजपा की योजनाएं शब्दों के आडम्बर से अधिक कुछ नहीं हैं।ह्व के जवाब में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को इस बार पहले से जानता है कि उसे सत्ता में नहीं आना है। वह तो विपक्ष में बैठने लायक अपनी सीटों की तलाश कर रहा है। उप्र में 80 सीटों पर भाजपा का परचम लहराएगा। ये मैं नहीं, आम जनता कह रही है। इसको देखकर विपक्ष की बौखलाहट बढ़ गयी है। वे किसी तरह से खड्यंत्र कर लोगों को आपस में भिड़ाकर एक-दो सीटों पर जीत हासिल करने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। स्वाती सिंह ने कहा कि देश की जनता सब

कुछ जानती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। पूरा विश्व भारत की बातों पर आज विश्वास कर रहा है। विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर भारत अग्रसर है। यहां हर गरीब तक योजनाएं पहुंच रही हैं। ऐसे में विपक्ष देखकर ताज्जुब में पड़ा है कि योजनाओं का लाभ हर गरीब तक कैसे पहुंच रहा है, जबकि उनके कार्यकाल में यह सब फाइलों में ही दबकर रह जाता था। बिना नाम लिये उन्होंने कहा कि पहले यहां एक पार्टी जब सत्ता में होती थी तो पुलिस अधिकारियों की हत्या हो जाती थी और सत्तासीन लोग मुकदर्शक बने रहते थे। आज माफिया जेल में हैं। जनता अमन-चैन से है। कोई भी नियोजित अपराध नहीं हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में विपक्ष की बोलती बंद हो गयी है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की नशा उन्मूलन एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता रैली और संगोष्ठी का आयोजन

वाराणसी। पाण्डेयपुर स्थित सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के अन्तर्गत पाँचवे दिन महाविद्यालय से नशा उन्मूलन एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता रैली निकाली गयी रैली को हरी झंडी प्राचार्य डॉ० प्रभु नारायण दूबे ने दिखाया और कहा कि संविधान में भी स्वास्थ्य को हानि पहुंचाने वाले मदिरा एवं ड्रग्स पर प्रतिबन्ध लगाने का उपबन्ध किया गया। समन्वयक व शिक्षाविद् डॉ० अशोक कुमार पाण्डेय ने कहा कि आज वर्तमान समय में नशा युवा और समाज को अंपग बना रहा है इसलिए नशा का पूर्ण रूप से उन्मूलन आवश्यक है जबकि राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ० मनोरमा तिवारी, द्वितीय इकाई के डॉ० शालिनी मिश्रा, तृतीय इकाई के डॉ.पूजा सिंह ने अपने-अपने इकाइयों के स्वयंसेवी छात्राओं को लेकर अपने-अपने कार्य स्थल पुष्प

रंजन, विद्यालय, दौलतपुर, पन्नालाल चौबे विद्यालाय छोटा लाल पुर, प्राथमिक विद्यालय छोटा लालपुर पहुँचकर अपने आस-पास के गाँवो में और मलिन बस्तियों में जाकर नशा उन्मूलन के प्रति लोगों को बैनर पोस्टर और आदि नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जबकि सांय काल में सुधाकर महिला कालेज के शिविर में एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के समाजशास्त्र विभाग के प्रो० रमाशंकर त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि रिटार्यड डिप्टी कष्टम एवं सेन्ट्रल एक्साइज धंनजय सिंह और ए०डी०जे० राकेश पाण्डेय जबकि विशिष्ट अतिथि के अन्तर्गत ही शोभिता श्रीवास्तव, मेडिटेशन टेनर उपस्थित रही` स्वयसेवी छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा उन्मूलन के प्रति अपनी प्रस्तुति प्रस्तुत की। इस अवसर पर उप प्राचार्या डॉ० रमा दूबे, निदेशक आशीर्वाद दूबे, प्रबन्ध समिति के सदस्य आयुष्मान दूबे, श्याम सुन्दर मिश्रा, डॉ० अवनीश कुमार पाण्डेय, डॉ. सुजीत राय, डॉ० राजकुमार श्रीवास्तव, डॉ० मीरा पाण्डेय, डा० मंजु देवी, डॉ० अर्चना, माँसी पाण्डेय आदि समस्त शिक्षको ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

स्व. सदरजीत राय पहलवान की स्मृति में कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

प्रखर खजनी, गोरखपुर। केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा खेलो इंडिया के तहत निरंतर गांवों और शहरों में युवा प्रतिभाओं को खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने का अवसर दिया जा रहा है। साथ ही सरकार उन्हें सभी संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उक्त विचार खजनी के विधायक श्रीराम चौहान ने कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज लोनांव गांव के अखाड़े में स्व.सदरजीत राय पहलवान की पुण्य स्मृति में विराट खुली दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें देश प्रदेश के दर्जनों पहलवानों ने अखाड़े में अपने दांव आजमाए। रोचक मुकाबले में भारत केसरी पहलवान कपिल भीमा और ऋषभ के बीच कांटे का मुकाबला हुआ। वहीं राजेश भताड़ी ने मनीष पक्कीबाग, ऋषिकेश यादव मोहद्दीपुर ने सुड्डु पहलवान को संजय यादव कठवतियां ने भीमा हनुमान

अखाड़ा दिल्ली को बृजेश मोहद्दीपुर ने विकास सरहरी को राजकुमार बेलडांड़ ने मनोज धरमपुर को रंजीत मुजुरी व्यायामशाला ने गोविंद चौरीचौरा को ब्रह्मानंद महराजगंज ने रामबाबू कृष्णानगर को आसमान दिखाया। वहीं विदेश गुज्जर ने जितेंद्र महाराजगंज,अजहर गोरखपुर ने निशांत आईटीबीपी, शिवानंद मेहदावल ने रोहित भाटी दिल्ली को चित्त किया। इसके अलावां मुकुल बनारस से असीन दिल्ली के बीच कांटे की टक्कर हुई। महिला पहलवानों में आरती कानपुर से पलक बनारस,मीनू दिल्ली से खुश्बू गोरखपुर, प्रिया चतुरबंदुआरी से कल्पना कानपुर, प्रियंका चतुरबंदुआरी से अनिता कानपुर के पहलवानों के बीच भी कांटे का मुकाबला हुआ। खुली दंगल प्रतियोगिता में कुल 76 जोड़ी से अधिक पहलवानों ने दांव आजमाए। इस दौरान क्षेत्र के पुराने नामी पहलवानों अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों को अखाड़े पर बुलाकर माला पहनाकर साफा बांधकर और अंगवस्त्र भेंट दे कर सम्मानित किया गया। संचालन उमेश राय पहलवान, शैलेश यादव ने किया तथा रेफरी के रूप में श्यामपाल बंदुआरी अखाड़े के कोच रमाकांत वीरबहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, तथा ओंकार यादव कृष्णानगर अखाड़े के कोच ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजक राष्ट्रीय पहलवान एवं जिला पंचायत सदस्य अरविन्द राय उर्फ बिट्ठू राय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री राम चौहान राष्ट्रीय पहलवान एवं जिला पंचायत सदस्य अरविन्द राय बिट्ठू राय, साई ऑटोमोबाइल के प्रोपराइटर मनोज मिश्रा, अधिवक्ता विनोद पांडे ,जीतू यादव ग्राम प्रधान पहलवान ,सत्येंद्र यादव भैसा बाजार, पप्पू मल्ल अवधेश यादव प्रधान रामाशीष पहलवान मनोज मिश्रा पन्ने लाल उमेश राय, मोनू मिश्रा,गौतम राय हरिहरपुर प्रधान पंच बहादुर सिंह, दीपक यादव क्षेत्र के तमाम गणमान्य और समाजसेवी और ग्राम प्रधान सभी लोग उपस्थित रहे।

राजा बलदेव दास बिड़ला अस्पताल ने किया डायलिसिस सेवा का विस्तार

वाराणसी। बिरला अस्पताल प्रबंधन ने डायलिसिस यूनिट में निरंतर मरीजों की संख्या वृद्धि को देखते हुए 17 मार्च रविवार को दो नई डायलिसिस मशीन को यूनिट में किया शामिल` ट्रस्ट के सचिव जगदीश झुनझुनवाला ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन निरंतर नई सुविधाओं के साथ मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं दो अत्याधुनिक डायलिसिस मशीन का अनौपचारिक लोकार्पण पूर्व मंत्री एवं शहर दक्षिणी के लोकप्रिय विधायक नीलकंठ तिवारी के द्वारा किया गया` इस अवसर पर दीनानाथ झुनझुनवाला, जगदीश झुनझुनवाला, उमाशंकर पोद्दार, धनपत राज भंसाली, रमेश चौधरी, दीपक बजाज, श्याम सुंदर अग्रवाल, प्रदीप तुलसयान अनिल अग्रवाल, किशोर कुमार मुरारका, मनोज अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोकार्पण पल के साक्षी रहे। सभी आगंतुक अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एस एन राय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

पवित्र महीने रमजान में हुआ इफ्तार का आयोजन

प्रखर जौनपुर। शहर के शेखपुरा मोहल्ले में स्थित मदरसा कलंदरिया में छठवें रमजान के मौके पर एक इफ्तार का आयोजन किया गया जिसमें पहुंचकर सैकड़ो रोजेदारों ने रोजा खोला, इस्लाम धर्म का पवित्र महीना रमजान शुरू हो चुका है, जिसमें रोजेदार 30 दिन का रोजा रखते हैं और खुदा की इबादत करते हैं, इस महीने में हर इंसान को हर छोटी-मोटी और बड़ी गुनाहों से बचना चाहिए,और आपसी प्रेम और सौहार्द बनाकर शांतिपूर्वक अपने समाज व अपने देश की हिफाजत के लिए काम करना चाहिए,उक्त बातें मौलाना एहसानुल कादरी ने कहीं, इस मौके पर आयोजक अकरम अली ने बताया कि रोजेदारों के लिए इफ्तार का आयोजन करना एक पुण्य का काम है,हमारी संस्था हर साल उक्त स्थान पर इफ्तार का आयोजन करती आई है,आखिर में मौलाना ने मुल्क में अमन व सुख चैन के लिए दुआ कराई इस मौके पर मुख्य रूप से हाजी मो असलम,फराज अली,मो मोनिश,फरहान अहमद,मो माज, राहिश,जेद अंसारी,फैसल, अशियम आदि लोग मौजूद रहे।

जेसीआई जौनपुर चेतना का होली मिलन समारोह संपन्न

प्रखर जौनपुर। होली आने वाली है इस मौके पर एक होली मिलन समारोह का आयोजन शहर के पूर्वी सहकारी कालोनी में एक होटल में आयोजित हुआ,कार्यक्रम की शुरूआत जेसीआई संस्था अध्यक्ष मीरा अग्रहरी ने सभी सदस्यों तथा आए हुए अतिथियों को गुलाल का टीका लगाकर शुरूआत की, तत्पश्चा रंगारंग कार्यक्रम तथा संस्था के बच्चों ने और संस्थापक अध्यक्ष पूर्व अध्यक्षों ने तथा सचिवो ने और कई सदस्यों ने अपनी प्रस्तुति दी।कार्यक्रम का मुख्य बिंदु रंगों की वर्षा गुलाल की फुहार पिचकारी द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में जेसीआई जौनपुर चेतना की सभी सदस्यों ने पारंपरिक वेशभूषा पहने हुए एक दूसरे को रंग लगाकर गले लगाकर होली की बधाई दी। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष मेघना रस्तोगी पूर्व अध्यक्ष नीतू गुप्ता, चारू शर्मा,कल्पना केसरवानी,मधु गुप्ता,रीता कश्यप,अभिलाषा श्रीवास्तव, सचिव वंशिका सिंह,कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता,अनीता सेठ,यशी गुप्ता,जे जे सेक्रेटरी,अनाया अग्रहरी,सारिका सेठ,विभा गुप्ता, चेतना साहू,रजनी साहू तथा ममता गुप्ता,डॉ आकांक्षा द्विवेदी, ज्ञानेश्वरी गुप्ता,ममता कश्यप, शारदा गुप्ता,संगीता सेठ,डॉली गुप्ता,शिवांगी खरे,दीपिका सिंह, चंदा बरनवाल,प्रतिमा गुप्ता, प्रियंका सिंह,शिल्पी जायसवाल, अनीता गुप्ता,अंजू जायसवाल, शिवानी चौरसिया,गायत्री जायसवाल,मंजू जायसवाल, अफ्शा नाज, रोशनी केसरवानी,रिंकी जायसवाल,ज्योति शाह आदि उपस्थित रही कार्यक्रम में विभिन्न संगठन से जुड़े हुए सम्मानित व्यक्तियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा सभी संयोजकों ने आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

अपहरण व बलात्कार के वांछित आरोपी को मुहम्मदाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेशानुसार जनपद गाजीपुर में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर महोदय के कुशल पर्यवेक्षण / निर्देशन में रविवार को उप निरीक्षक अनिल कुमार पाण्डेय मय हमराह द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 46/2024 धारा 366/376 IPCमें वांछित चल रहे अभियुक्त रवि गुप्ता कोल्हापुरी पुत्र छाँगुर गुप्ता उम्र 21 वर्ष निवासी पारो लौवाडीह थाना भाँवरकोल जनपद गाजीपुर हाल पता प्रिन्स सिनेमा हाल के पीछे गंज दक्षिणी पट्टी यूसुफपुर थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर को अदिलाबाद चौराहा के पास से समय करीब 11बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अनिल कुमार पाण्डेय थाना मुहम्मदाबाद, हेड कांस्टेबल महेन्द्र तिवारी थाना मुहम्मदाबाद, कांस्टेबल प्रभाकर मिश्रा थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अभियुक्त को किया गया जिला बदर

प्रखर सहजनवां गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव- 2024 को सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी गीडा के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष सहजनवां के नेतृत्व में उ0नि0 शिवा नन्द राय मय पुलिस टीम द्वारा मा0 न्यायालय जिला अधिकारी के आदेश सं0- वाद सख्या 339/2021 सरकार बनाम रविन्द्र सिह उर्फ भोलू कम्प्यूटरकृत वाद संख्या ऊ202105310000339 अन्तर्गत धारा ३ उ0प्र0 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1970 के आदेश के अनुपालन में 06 माह के लिए अभियुक्त रविन्द्र उर्फ भोलू सिंह पुत्र प्रदीप सिंह निवासी सरैया थाना सहजनवां जनपद गोरखपुर को जनपद गोरखपुर से जनपद कुशीनगर के थाना पडरौना कोतवाली में आमद कराकर जिला बदर कराया गया।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम थानाध्यक्ष मदन मोहन मिश्र,उ0नि0 शिवानन्द राय,कां0 शिवम शुक्ला आदि पुलिसकर्मी रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं